● वर्ष-2
● अंक-268
रायपुर, शनिवार
01 जुलाई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

भूपेश नहीं कर रहे विकास के काम: नड्डा

भ्रष्टाचार के अलावा कोई काम नहीं करते मुख्यमंत्री, भ्रष्टाचारी को घर बैठाना जरूरी है-नड्डा

बिलासपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बिलासपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर नड्डा की यह रैली थी। हालांकि, राज्य में साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। आज छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार पर भी नड्डा ने निशाना साधा और साथ ही साथ मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई।

जगत प्रकाश नड्डा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भ्रष्टाचार का बादशाह बताते हुए उनकी भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल में भारत के विकास की तस्वीर के साथ छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार के साढ़े 4 साल की तस्वीर भी पेश की। उन्होंने कहा कि आज जब मैं बिलासपुर आया तो यहां की यादें ताजा हो गई। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी तब छत्तीसगढ़ की हालत बहुत खराब थी। छत्तीसगढ़ के पहले ही चुनाव में भाजपा की सरकार बनी और 15 साल में भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ का विकास किया। पिछले साढे 4 साल से कांग्रेस की सरकार है और छत्तीसगढ़ फिर से दुर्दशा का शिकार हो गया है। भ्रष्टाचार की जकड़ में है। केंद्र की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ का विकास कर रही है और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ के विकास में बाधा उत्पन्न कर रही है

भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ को मेडिकल कॉलेज, तकनीकी संस्थान दिए। गांव गांव को सड़क दी है। रायपुर विशाखापट्टनम इकोनामिक कॉरिडोर दिया। इससे छत्तीसगढ़ में विकास होगा। छत्तीसगढ़ में एयरपोर्ट का विकास किया।

छत्तीसगढ़ पर मोदी जी का कितना ध्यान है यह किसी को भूलना नहीं है।

श्री नड्डा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए कहा कि वे कोई काम नहीं करते। सिर्फ भ्रष्टाचार करते हैं। भ्रष्टाचारियों के बादशाह हैं।जो भ्रष्टाचार हो रहा है, वह भूपेश बघेल के इशारों पर हो रहा है। छत्तीसगढ़ आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। इन्होंने योजनाओं के नाम बदल कर एक परिवार के नाम पर कर दिए। कोयला घोटाला किया है कि नहीं, शराब घोटाला किया है कि नहीं, कोयले पर 25 रुपये प्रति टन वसूली की है कि नहीं, इनकी जगह जेल में है कि नहीं, सीएम की डिप्टी सेक्रेटरी जेल में है कि नहीं, मतलब है कि दाल में सब काला है। बिना परमिशन के रेत बाहर जा रहा है कि नहीं, 68000 टन चावल गायब हो गया। उसको पकड़ो जो यह चावल गायब कराता है। यह घोटाले की सरकार है। ऐसे भ्रष्टाचारियों को घर बैठाना है। यह जरूरी है। बहू बेटियों को बचाना जरूरी है। छत्तीसगढ़ के गरीबों को बचाना जरूरी है। छत्तीसगढ़ के किसानों को बचाना जरूरी है। छत्तीसगढ़ के नौजवानों को बचाना जरूरी है। आप इस सरकार को बदलो, बाकी सब हम देख लेंगे।

ये भ्रष्टाचारियों के बादशाह हैं

नड्डा ने कहा कि इसी तरह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11 करोड़ 70 लाख किसानों को साल में तीन बार 6000 रुपए भेजे जा रहे हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 27 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस पर उन्होंने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल विकास के कोई काम नहीं कर रहे हैं, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। ये भ्रष्टाचारियों के बादशाह हैं।

नड्डा ने गिनाई पीएम मोदी सरकार की उपलब्धियां

भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने कहा कि मोदी जी ने देश के लोगों को कोरोना के 220 लाख डोज मुफ्त लगाएं। पिछले 5 साल में 18 लाख करोड़ रुपए विकास पर खर्च किए गए। पूरे देश में 54 हजार किलोमीटर की सड़कें बनाई। छत्तीसगढ़ में भी नेशनल हाईवे बनकर तैयार हुआ है। देश में 23 वंदे भारत ट्रेन चलाई। बिलासपुर से नागपुर वंदे भारत ट्रेन दी। 9 साल पहले 1 दिन में केवल 5 किलोमीटर नेशनल हाईवे सड़क बनती थी। रेल पटरियां 9 साल पहले 12 किलोमीटर बिछाई जाती थी। आज 29 किलोमीटर बिछाई जा रही है। मोदी जी ने 9 साल में देश का कायाकल्प कर दिया है। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में जनता को मुफ्त चावल दिया। भारत की गरीबी 22 फीसदी से घटकर 10 फीसदी से भी कम रह गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना में 12 करोड मकान बनाए। 1993 में 1 पंचायत में साल में इंदिरा आवास योजना में एक मकान बनता था। हमारी माताएं बहनें नित्यकर्म के लिए बाहर जाया करती थी। 12 करोड़ बहनों को सम्मान दिया। छत्तीसगढ़ में भी यही स्थिति थी। छत्तीसगढ़ में 35 लाख महिलाओं को सम्मान दिया। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों को 5 लाख तक के इलाज की आयुष्मान योजना देश को दी। साढ़े 36 लाख परिवार छत्तीसगढ़ के हैं जिन्हें आयुष्मान योजना का लाभ मिलता है। यह सब कम आय वर्ग वाले, रोज कमाने खाने वाले गरीब लोग हैं जिन्हें मोदी जी ने बेहतर उपचार उपलब्ध कराया है। महिलाएं तीन किलोमीटर पानी लेने के लिए जाया करती थीं। मोदी जी ने घर घर में पानी पहुंचा दिया है। किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है। 11 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में सम्मान निधि पहुंच जाती है।

इन दिनों

✍ हिमांशु मिश्रा

मणिपुर के मुख्यमंत्री पर इस्तीफे का दबाव

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की अटकलें शुक्रवार को पूरे दिन लगती रहीं। शाम होते-होते बीरेन सिंह ने ट्वीट करके इस्तीफे की अटकलों को खारिज कर दिया। इससे पहले उनके घर के बाहर मुख्यमंत्री के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। बीरेन सिंह के इस्तीफे की फटी हुई कॉपी भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। ये पहली बार नहीं जब बीरेन सिंह के इस्तीफे को लेकर इस अकटकले लग रही हैं। बीरेन सिंह 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा आए। दो साल बाद राज्य में चुनाव हुए और भाजपा सत्ता में आ गई। बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया। 2022 में एक बार फिर भाजपा ने सत्ता में वापसी की। हालांकि, चुनाव जीतने के बाद अटकलें लगने लगीं कि भाजपा असम की तरह मणिपुर में भी किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बीरेन सिंह को ही दोबारा राज्य की कमान मिली। बीते अप्रैल में एक बार फिर बीरेन सिंह को हटाए जाने को लेकर खबरें मीडिया में आने लगीं। कहा गया कि उनकी पार्टी के विधायक ही उनके खिलाफ हैं। कई विधायकों ने सरकारी पदों से इस्तीफा दे दिया तो इन अटकलों को और बल मिला। लेकिन, बीरेन सिंह इसके बाद भी बने रहे। पिछले दो महीने से मणिपुर हिंसा की आग में झुलस रहा है। एक बार फिर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पर पद छोड़ने का दबाव है। शुक्रवार को राज्यपाल अनुसुइया उइके से उनकी मुलाकात की खबर आते ही चर्चा शुरू हो गई की मुख्यमंत्री इस्तीफा दे सकते हैं। इसके पहले रविवार को उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मणिपुर के हालात को लेकर 18 पार्टियों के साथ सर्वदलीय बैठक की थी। बैठक में सपा और राजद ने मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग की थी। इसके अलावा सूबे में राष्ट्रपति शासन लगाने की भी मांग की गई थी। इसी वजह से इन अटकलों को और बल मिला। पिछले तीन मई से मणिपुर हिंसा की आग में झुलस रहा है। तमाम कोशिशों के बावजूद बीरेन सिंह इसे रोक पाने में अब तक असफल रहे हैं। इसके चलते भाजपा पर बीरेन सिंह को हटाने के लिए राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं। सहयोगियों समेत सत्ताधारी गठबंधन के पास कुल 42 विधायकों का समर्थन है। ऐसे में अगर भाजपा चाहे तो राज्य में नेतृत्व परिवर्तन कर सकती है। किसी नए चेहरे को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि, हालात को देखते हुए केंद्र के पास राष्ट्रपति शासन लागू करने का भी विकल्प है। इस तरह की अटकलें भी हैं कि केंद्र इस बारे में विचार कर रहा है। अभी राहुल गांधी मणिपुर का दौरे पर हैं, स्वाभाविक है, मणिपुर हिंसा को लेकर राजनीति तेज होगी। लेकिन हिंसा पर राजनीति का तेल छिड़कने के बजाय, हिंसा को रोकने पर ध्यान देने की जरूरत है। समाधान अगर मुख्यमंत्री के इस्तीफे से निकल सकता है तो एसा हो जाना चाहिए। अगर प्रदेश में राषट्रपति शासन लगाने की जरूरत पड़े तो केन्द्र को पीछे नहीं हटना चाहिए।

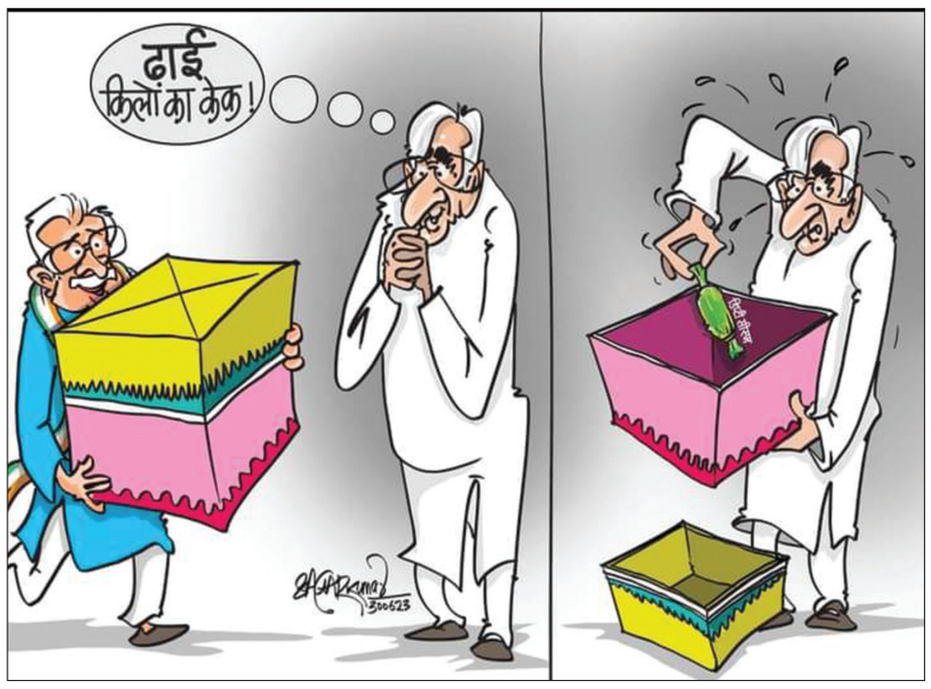

छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर 10-30 आधार अंक बढ़ा दी और अब यह 4 प्रतिशत से 8.2 प्रतिशत तक है। ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा आज वित्त मंत्रालय ने की। सरकार हर तिमाही छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की समीक्षा करती है। सबसे ज्यादा 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी पांच साल की आवर्ती जमा में हुई। दूसरी तिमाही के दौरान आवर्ती जमा धारकों को मौजूदा 6.2 फीसदी के मुकाबले 6.5 फीसदी ब्याज मिलेगा। निवेशकों के बीच लोकप्रिय सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) पर मिलने वाले ब्याज में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, डाकघरों में एक साल की सावधि जमा में निवेश करने वालों को 0.1 प्रतिशत अधिक यानी 6.9 प्रतिशत और दो साल की अवधि के लिए 7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। तीन साल और पांच साल के लिए सावधि जमा पर ब्याज दरें 7 फीसदी और 7.5 फीसदी पर बरकरार रखी गई हैं। लोकप्रिय पीपीएफ और बचत जमा पर ब्याज दरें क्रमश: 7.1 प्रतिशत और 4 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर 1 जुलाई से 30 सितंबर, 2023 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना और किसान विकास पत्र पर ब्याज क्रमशः 8.2 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत रहेगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर भी एक जुलाई से 30 सितंबर, 2023 तक के लिये ब्याज को 7.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है।

पहले भी बढ़ा था

इसके पहले, जनवरी-मार्च तिमाही के साथ-साथ अप्रैल-जून तिमाही में भी लघु बचत योजनाओं पर ब्याज बढ़ाये गये थे। लघु बचत योजना पर ब्याज दरें तिमाही आधार पर अधिसूचित की जाती हैं। मासिक आय योजना पर ब्याज में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इस पर पहले की तरह 7.4 प्रतिशत ब्याज मिलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को काबू में लाने के लिये पिछले साल मई से नीतिगत रेपो दर को 2.5 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दियाहै। इससे जमाओं पर भी ब्याज दरें बढ़ी हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने पिछली दो मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में कोई इजाफा नहीं किया है।

ये है नई दरें

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने पिछली तिमाही में 1-वर्ष, 2-वर्ष के लिए ब्याज दर को 6.8 प्रतिशत, 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर क्रमश: 6.9 प्रतिशत, 7.0 प्रतिशत कर दिया है। पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट पर ब्याज दरें जून तिमाही के 6.2 फीसदी से बढ़ाकर सितंबर तिमाही में 6.5 फीसदी कर दी गई हैं। बता दें कि समिति ने सिफारिश की थी कि विभिन्न योजनाओं की ब्याज दरें समान परिपक्वता वाले सरकारी बांडों की पैदावार से 25-100 बीपीएस अधिक होनी चाहिए।

प्रमुख समाचार

संवेदनशीलता नहीं सिखाई राजनीति की डिग्री ने : जयराम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जून को दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में उल्लेखनीय प्रवेश किया और परिवहन के अपने पसंदीदा साधन के रूप में मेट्रो की सवारी को चुना।

जहां प्रधानमंत्री की यात्रा के विकल्प ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया और पीएम के इस मूव की प्रशंसा भी गई। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसकी आलोचना भी करते हुए प्रधानमंत्री पर मणिपुर की स्थिति के प्रति असंवेदनशीलता का आरोप लगाया। अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाने वाले जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की मेट्रो यात्रा पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास उस विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए मेट्रो में यात्रा करने का समय और झुकाव है, जिसने उन्हें संपूर्ण राजनीति विज्ञान में एमए की डिग्री दी।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरूआत होगी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करेंगे। एक

बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शुक्रवार को कहा गया कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री लाभार्थियों को सिकल सेल आनुवंशिक स्थिति कार्ड भी वितरित करेंगे। सिकल-सेल एनीमिया एक दोषपूर्ण जीन हीमोग्लोबिन एस के कारण होता है जिसके कारण लचीली लाल रक्त कोशिकाएं कठोर कोशिकाएं बन जाती हैं जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है और अंग क्षति का खतरा बढ़ जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम 2047 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में सिकल सेल रोग को खत्म करने के केंद्र के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। मिशन की घोषणा केंद्रीय बजट 2023 में की गई थी।

ट्विटर पर 50 लाख जुर्माना, हाईकोर्ट ने याचिका की खारिज

कर्नाटक। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कुछ सोशल मीडिया खातों और ट्वीट्स को ब्लॉक करने के केंद्र के आदेशों के

खिलाफ ट्विटर की याचिका खारिज कर दी। भारत सरकार के आदेशों का पालन न करने पर हाई कोर्ट ने कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने कहा कि आप एक मल्टी बिलेनियर कंपनी हो, कोई किसान या फिर आम आदमी नहीं, जिसे कानून नहीं पता हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अदालत ने इस मामले पर सरकार के रुख को बरकरार रखा है और कहा है कि देश के कानून का पालन किया जाना चाहिए। अदालत के आदेश के बाद उन्होंने कहा कि माननीय अदालत हमारे रुख पर कायम है। देश के कानून का पालन किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाला पांच सदस्यीय पैनल शुक्रवार को उत्तराखंड में

समान नागरिक संहिता पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। समिति को उत्तरी राज्यों के लिए यूसीसी का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। रंजना प्रकाश देसाई ने कहा, प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट मसौदे के साथ मुद्रित होकर सरकार को सौंपी जाएगी। रंजना प्रकाश देसाई ने अपना बयान देते हुए कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उत्तराखंड के प्रस्तावित समान नागरिक संहिता का मसौदा अब पूरा हो गया है। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट ड्राफ्ट सहित मुद्रित कर उत्तराखंड सरकार को सौंपी जायेगी।

बालासोर ट्रेन दुर्घटना, 52 शवों की नहीं हुई है पहचान

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर जिले में ट्रिपल ट्रेन हादसे के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर में 52 शवों की पहचान अभी तक

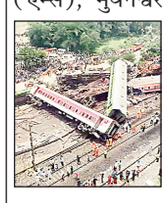

नहीं की जा सकी है। 2 जून को ट्रिपल ट्रेन दुर्घटना की दुखद घटना जिसमें चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस, हावड़ा जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शामिल थी, ने 293 लोगों की जान ले ली और 1000 से अधिक लोग घायल हो गए। शवो को लेकर बड़ी जानकारी मिली है। भुवनेश्वर नगर निगम की मेयर सुलोचना दास ने बताया कि एम्स में 81 शव रखे गए हैं। दावेदार कई थे इसलिए शव नहीं दिए जा सके। उन्हें डीएनए टेस्ट के लिए भेजा गया। सैंपल दिल्ली भेजे गए और 29 में पुष्टि हुई है। 5 परिवार शव लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी आदेशों के अनुसार, परेशानी मुक्त दाह संस्कार प्रक्रिया आयोजित की जानी है। शवों को उनके मूल क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है।

बिहार में संभावित नुकसान की भरपाई यूपी से करेगी भाजपा?

अनिल सिंह

भाजपा को केंद्र में फिर से सरकार बनानी है तो उसे यूपी और बिहार से फिर उतनी ही सीटों की दरकार होगी जितनी बीते दो चुनावों में रही है। इसलिए बिहार के साथ साथ यूपी में जहां भाजपा को कोई तगड़ी चुनौती नहीं है, पार्टी लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुट गयी है। भाजपा न केवल अपने सांसदों के काम काज की समीक्षा कर रही है, बल्कि अलग अलग सर्वे भी करवा रही है जिससे जनता के मूड का पता चल सके।

दरअसल यूपी को लेकर अतिरिक्त सावधानी का कारण बिहार में नीतीश कुमार का भाजपा से अलग होना है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब नीतीश कुमार एनडीए गठबंधन में थे तब बिहार की 40 सीटों में से 39 पर एनडीए को जीत मिली थी। एक सीट कांग्रेस को मिली थी, जबकि राजद का खाता नहीं खुला था। लेकिन अब नीतीश कुमार द्वारा राजद और कांग्रेस से गठबंधन करने के बाद भाजपा के लिए बिहार आसान नहीं रह गया है। वर्ष 2014 में भी एनडीए नीतीश कुमार के बिना चुनाव में उतरी थी तथा 31 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब जदयू और राजद अलग-अलग लड़े थे जिसका फायदा बीजेपी को मिला था लेकिन इस बार दोनों एक साथ हैं जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। बिहार में भाजपा को महागठबंधन की चुनौती के साथ उत्तर बिहार के क्षत्रियों की नाराजगी का डर भी सता रहा है। बिहार के क्षत्रिय मतदाता बीते दो लोकसभा चुनावों में पूरी तरह भाजपा के साथ थे, लेकिन आनंद मोहन सिंह की रिहाई का विरोध करने की वजह से क्षत्रिय मतदाताओं का एक वर्ग भाजपा से नाराज है।

खासकर उत्तर बिहार के जिलों में यह नाराजगी ज्यादा है, जिसका असर कई सीटों पर पड़ने की संभावना है। एनडीए गठबंधन को यूपी और बिहार की कुल 120 सीटों पर 2014 में 105 तथा 2019 में 103 सीटें मिली थीं। यह एनडीए को मिली कुल सीटों का लगभग 30

प्रतिशत था। लेकिन इस बार बिहार में एनडीए को महागठबंधन से तगड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। इसलिए भाजपा को केंद्र में सरकार बनानी है तो इन दोनों राज्यों से एक बार फिर 100 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। ऐसी मुश्किल स्थिति में भाजपा को बिहार में होने वाले नुकसान की भरपाई यूपी में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर ही संभव है। भाजपा इसी दिशा में काम कर रही है।

यूपी में माहौल भाजपा के अनुकूल है। यहां उसे विपक्ष से कोई तगड़ी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है। इसके बावजूद भाजपा अपने सांसदों के काम एवं लोकप्रियता का सर्वे करा रही है। चुनाव के पहले पार्टी तीन सर्वे कराने वाली है। इसी सर्वे के आधार पर उम्मीदवारों के नाम तय किये जायेंगे। सर्वे टीम द्वारा समस्त लोकसभा क्षेत्रों में जाकर वर्तमान सांसद की छवि, जनता से व्यवहार का फीडबैक, क्षेत्र में सांसद की मौजूदगी तथा सोशल मीडिया पर सांसद के प्रति जनता के नजरिये का आकलन किया जा रहा है। हालांकि, कुछ सांसदों का टिकट कटना लगभग तय हो चुका है। पहले सर्वे में इनके कामों को लेकर जनता में नाराजगी दिखी है। कुछ सीटों पर सांसदों की उम्र को देखते हुए टिकट कटना निश्चित है।तीन स्तर पर हो रहे इस सर्वे में मोदी एवं योगी सरकार के जनहित के कार्यों एवं उपलब्धियों का जनता में असर, राम मंदिर निर्माण एवं अन्य मंदिरों के उद्धार पर जनता की राय, राष्ट्रवाद का जनता में प्रभाव समेत कई पहलुओं पर जानकारी जुटाई जायेगी। सर्वे में यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि अगर किसी सीट से मौजूदा सांसद का टिकट कटता है तो कौन सा उम्मीदवार बेहतर रहेगा, दूसरे दल से कौनसा उम्मीदवार मजबूती से लड़ सकता है, तथा कौन सा जातीय समीकरण जीत के लिये फिट बैठेगा। भाजपा 2024 के आम चुनाव में हर हाल में जीत सुनिश्चित करना चाहती है।सर्वे में यह भी पता लगाया जायेगा कि विपक्षी दल जो मुद्दे उठा रहे हैं, उनकी जनता में कितनी स्वीकार्यता है। क्या उनके मुद्दों का प्रतिकूल असर भाजपा पर पड़ सकता है। इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा आगे की रणनीति तय करेगी। साथ ही भाजपा संगठन ने यूपी के सांसदों से परफार्मेंस रिपोर्ट भी मांगी है। इसके लिये सांसदों को एक फॉर्म दिया गया है, जिसमें उन्हें अपने कामों का ब्योरा देने के साथ क्षेत्र के 100 इन्फ्लुएंसर तथा 1000 विशिष्ट लोगों की लिस्ट देनी है। केंद्र व राज्य सरकार के लाभार्थियों से संपर्क करने के अलावा कितने सम्मेलन किये इसकी जानकारी भी सांसदों को देनी है।

हर बूथ मजबूत होना चाहिए : भूपेश बघेल

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के रिसाली गांव के बाजार चौक में गुरुवार को बूथ कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आप सब बूथ कमेटी बना ले। उसके बाद बूथ कमेटी का सम्मेलन होगा। हर घर मे तिरँगे कलर का नेम प्लेट लगाए। विधानसभा चुनाव के समय हर बूथ में प्रत्याशी नही जा सकते है ।जिसके लिये आपको बड़ी जिमेदारी दी जा रही है। आप काँग्रेस सरकार की योजनाओं को जाने ।तभी आप मतदाता को सही जवाब दे पायेगें ।बूथ मे अनुभाग की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

श्री बघेल ने आगे कहा कि योजनाबद्ध ढंग से काम करे। हमे कोई नही हरा सकते। हमारा हाथ खाली नही है ।ऐसा कोई परिवार नही है ।जिसे सरकार की विभिन्न योजनाओ का लाभ नही मिला हो। जाति प्रमाण पत्र आसानी से बन रहा है ।जीत हार आपकी मेहनत के ऊपर है ।अपने बूथ से जितना है ।हर बूथ मजबूत होना चाहिए। छत्तीसगढीया सबले बढिया। पहली बार लग रहा है ।भाजपा वाले झूठ बोलने में माहिर है। साथ हो बूथ अध्यक्ष को मतदाता सूची व अनुभाग को पढने आना चाहिये। हर अनुभाग मे तीन लोगों का चयन करना है ।सक्रिय महिला सियान जवान, 30 कार्यकर्ता की बेठक कीजिये। श्री बघेल ने अंत मे कहा कि पीसीसी महासचिव जितेंद्र साहू ने एक दिन में ही मेरे को तीन बूथ कमेटी की बैठक में ले जाकर 46 बूथ एक तिहाई विधानसभा की बैठक मे शामिल करवा लिये। बैठक को संबोधित करते हुए काँग्रेस नेता राजेंद्र तिवारी ने कहा कि हमारे पास नेता भी है ।नीति भी है ।आप उपलब्धियो से लबरेज है ।हम लोगो को भरी हुई झोली लेकर जनता के बीच जाना है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी महासचिव जितेन्द्र साहू जिलाध्यक्ष मुकेश चन्द्राकर ,रिसाली महापौर श्रीमतीं शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर,ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ महिला ब्लाक अध्यक्ष हेमिन चतुवेदी ,संगीता सिंह, सन्ध्या वर्मा, अनुपमा गोस्वामी, आई एस मनु,

,अशोक सिन्हा, अनूप डे,चन्द्रभान ठाकुर, सोनिया देवांगन, सनीर साहु,ड्रा सीमा साहू, दिपाकर साहू,राजेन्द्र वर्मा,शशानक,कृष्ण कुमार वर्मा,अमृत पाल टीटु,नन्द किशोर गुप्ता,राजेंद्र यादव, जहीर अब्बास, शत्रुघन धनकर, अशोक सिन्हा सहित अन्य जन उपस्थित थे ।बैठक का संचालन ब्लाक अध्यक्ष मूकुन्द भाऊ व आभार अमृत पाल टीटू ने किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बूथ कमेटी की बैठक के दरम्यान बूथ अध्यक्ष, जॉन अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारियो से बातचीत करके बूथ की जानकारी भी ली। साथ ही काम करने के विभिन्न तरीकों को भी बताया।

उतई व खम्हरिया मे बूथ चलो अभियान सम्पन्न हुआ

दुर्ग। उतई नगर व ग्राम खम्हरिया मे गुरुवार को बूथ चलो अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा की आप हमेशा अपना बूथ मजबूत रखे ।कार्यकताओं से सतत जनसम्पर्क रखना है ।सेक्टर की लगातार बैठक होते रखना चाहिये ।जिनका नाम मतदाता सूची में नही है उनका नाम जुडवाने का भी कार्य करे ।श्री बघेल ने आगे कहा कि भाजपा वाले अफवाह फैलाते है की धान का पैसा हम दे रहे है। मोदी जी के ससदीय सीट बनारस में धान का समर्थन मूल्य मात्र 11 सौ से 12 सौ रुपये है। 22 हजार करोड़ का हम लोग लोन लेकर किसानो को दे रहे है। पिछली बार नान घोटाला हुआ था। रमन सिंह के कार्यकाल में 12 सौ करोड़ का नुकसान हुआ था। संभागीय ,सेक्टर का सम्मेलन के बाद बूथ चलो अभियान सुरु हुआ है ।जैसे ही मौसम अनुकूल होता है तो किसान खेत की ओर कुच करते है । विधानसभा चुनाव को मात्र तीन माह बचा है ।अक्टूबर में आचार संहिता लग जायेगा ।बूथ के साथियो से चर्चा करके, सरकार की उपलब्धि व केंद्र सरकार की नाकामी की चर्चा करना है ।सोसल मिडीया बहुत मजबूर हो गया है ।झूठ की खबर के लिए सचेत रहना पड़ेगा। अपने बूथ बराबर मजबूर रहना चाहिये। बेठक को पीसीसी महासचिव् जितेंद्र साहु नगर काँग्रेस कमेटी उतई के अध्यक्ष बहादुर नेताम व पूर्व जनपद सदस्य भीष्म हिरवानी ने भी संबोधित किया ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी महासचिव जितेन्द्र साहु, नगर पंचायत उतई के अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, उतई नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बहादुर नेताम ,पार्षद ड्रा प्रहलाद वर्मा, राकेश साहू,मनोरमा देवागन, तोषन साहू दीपमाला देशलहरा,,सुरता सिह नेताम, सन्तोसी कुंजाम, उतई सोसायटी अध्यक्ष दिवाकर गायकवाड, सन्तोष मानिकपूरी, अजय वर्मा, तिलक साहू, खुमान साहू, गोवर्धन , अजय वर्मा, तिलक साहू, कोमल लाल चतुवेदी, टिकेंद्र ठाकुर,चन्द्रशेखर वर्मा,भीष्म हिरवानी,धनंजय नेताम,रमशिला नेताम, अनिल साहु, उसा बारले,महिला ब्लाक अध्यक्ष पुष्पा साहू, कनछेदी साहु, राधा देवी, मालती गढ़े, रीना ,कोमल ,,सोनू यादव, इंद्रा ठाकुर, सुरेश मांडले, मुकेश साहू, सोनू साहू, सीमा साहू,मोनू साहू, नीलमणि विस्वकर्मा, थान सिह गुरुपरख, नारायण दास गायकवाड,कुमारी बाई, आशा बाई, किसोर साहू,लक्ष्मी साहू, लोकेस्वरी देवागन, चक्षूप्रभा, द्वारिका साहु, कुंती यादव, ममता चंदेल, रेवती यादव,धनन्जय नेताम, महेश कौशिक,जामवंत गजपाल, मालती,छन्नू गोस्वामी उपस्थित थे ।कार्यक्रम का संचालन खिलेंद्र यादव ने किया।

कोरबा जिले में चलाया जाएगा कांग्रेस के बुथ चलो अभियान, वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे

कोरबा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस का बुथ चलो अभियान जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में चलाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप जायसवाल व सपना चौहान ने जिले के सभी 15 ब्लाक अध्यक्षों को अपने क्षेत्र में जोन, वार्ड, बुथ कमेटी के पदाधिकारियों व वरिष्ठ पदाधिकारियों को साथ में लेकर प्रत्येक बुथ में बुथ स्तर पर बैठक करने के साथ ही मतदाता सूची का अवलोकन कर छूटे मतदाताओं का नाम जुड़वाने कहा है।

जायसवाल ने बताया कि प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, एआईसीसी सचिव चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, संयुक्त सचिव विज जांगिड़, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के दिशा निर्देश पर बुथ चलो अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। सभी विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ कांग्रेस नेता की अगुवाई में कार्यकर्ता बुथ स्तर तक पहुंचेंगे। इसमें कोरबा विधानसभा क्षेत्र के लिए सांसद ज्योत्सना महंत, रामपुर विधानसभा विजय जांगिड़, कटघोरा विधानसभा विधायक सत्यनारायण शर्मा व पाली तानाखार विधानसभा के लिए प्रभारी मंत्री डा प्रेमसाय सिंह टेकाम को प्रभारी बनाया गया है।

इसके अलावा पंकज शर्मा को कोरबा ग्रामीण, द्वारिकाधीश यादव को पाली, शफी अहमद को पोड़ी उपरोड़ा, गुरप्रीत बाम्बरा को करतला, प्रमोद नायक को कटघोरा ग्रामीण, शिव सिंह ठाकुर को दीपका नगर, महेन्द्र चन्द्राकर को बरपाली, रामकुमार पटेल को पसान, विनय भगत को हरदीबाजार, यूडी मिंज को दर्री जमनीपाली, सन्नी अग्रवाल को बांकीमोंगरा, बालकृष्ण पाठक को बालको, हेमा देशमुख को कोरबा शहर ब्लाक के लिए प्रभारी नियुक्त किया गया है। सांसद महंत, विजय जांगिड़, डा प्रेमसाय सिंह टेकाम, पंकज शर्मा, सन्नी अग्रवाल, महेन्द्र चंद्राकर, रामकुमार पटेल 30 जून को कोरबा पहुंचकर अपने विधानसभा व ब्लाक क्षेत्र में बुथ चलो अभियान का शुभारंभ करेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर सपना चौहान ने बताया कि बुथ चलो अभियान के दौरान बूथ वार मतदाता सूची का परीक्षण, बुथ कमेटी का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर तक पहुंचाना है। इसके अलावा जोन एवं वार्ड कमेटियों का परीक्षण भी किया जाएगा।

आप लोगों को इस बार पाटन से विधायक नहीं मुख्यमंत्री चुनना है: टीएस सिंहदेव

सेलूद में बूथ कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई

पाटन। बूथ चलो अभियान के तहत छत्तीसगढ के उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव गुरुवार को पाटन ब्लाक के सबसे बड़े ग्राम सेलुद पहुंचे है। बूथ प्रभारी और वार्ड के कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़ कर उनका भव्य स्वागत किया। धान खरीदी केन्द्र सेलुद में ही बूथ प्रभारी और कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा शुरू हुई। उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने कहा कि बस्तर संभाग से बुथ चलो अभियान चालु हुआ है। यह कार्यक्रम बुथ स्तर का हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि महराज जी इस अभियान के लिए पाटन जायेंगे। पांच साल पहले आप लोग विधायक चुने थे। लेकिन अब आपको अपने विधानसभा से मुख्यमंत्री चुनना है। पाटन में सभी काम व्यवस्थित है। 2018 का विधानसभा के चुनाव में नतीजे ऐसे आये की हम लोगों ने भी नहीं सोचा था। हम लोग अभी तो पिछले चुनाव की अपेक्षा बढ़ते हुए अस्सी प्रतिशत में आ गये है। पाटन में कुल मिलाकर 243 बुथ में नहीं जा सकते है। आप लोगों के माध्यम से ही जा सकते है। आप लोग अच्छा काम करेंगे और अगला मुख्यमंत्री भी बनाओगे ।सेलुद के बुथ प्रभारी को आप सब जानते है कि नहीं हमारी सरकार ने छत्तीसगढ के अस्तित्व को बढाते हुए हमारी सरकार ने काम किया है। जैसे बाहर वाले सोचते है वैसा नहीं है लोगों की सोच को बदलना है। खनिज लोहा हीरा कोयला सोना सभी खनिज संसाधन छत्तीसगढ में है। किसानों को 2500 रूपये देना बडी बात है मैं भी किसान हूँ मेरे खाते में भी पैसा पहुँचता है उस विश्वास पर भरोसा मांगने के लिए तैयार है । हमारी सरकार बनने के बाद गरीब तबके लोगों को 38 से 60 लाख राशन कार्ड धारी को राशन मिल रहा है । प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र बनारस में मे किसानों को धान का दाम 1200 से 1300 रुपये मिलता है। आगामी खरीदी में किसानों को 2800 रुपये क्विंटल से भी बढेगा किसानों के धान का दाम । हाफ बिजली बिल मांफ योजना से एक साल बिजली 1000 करोड़ से ज्यादा खर्च आता है । प्रेरणा दायक कहानी भी सुनाया है । पाटन में स्वास्थ्य विभाग का इकाई देश में सबसे पहली सीएन सी बनाई है ।खुली मानसिकता वाले को अपने तरफ लाना है । बता दें,आज से प्रदेश कांग्रेस का बूथ चलो अभियान शुरू हुआ हैं। प्रदेश प्रभारी सबसे पहले पाटन विधानसभा क्षेत्र कुम्हारी के बाद सेलुद पहुंचे । सेलुद के धान खरीदी केन्द्र में सैकड़ों कांग्रेसियों ने स्वागत किया। सिंहदेव ने एक एक कर सभी पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर चैतन्य बघेल, महापौर निर्मल कोसरे,जवाहर वर्मा,अश्वनी साहू, आशीष वर्मा, राकेश ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य मोनु साहू, जनपद उपाध्यक्ष देवेन्द्र चंद्रवंशी, ब्लाक अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा, पवन पटेल, खिलेश मारकंडे, जयश्री वर्मा, त्रिभुवन यदु, संजय यदु, अंशु रजक आदि उपस्थित थे।

कोटेदार ने गांव वालों के काटे एक किलो चावल, जांच करने पहुंचे अधिकारी

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के ग्राम इंदौरी में सरकारी राशन दुकान में चावल वितरण को लेकर अजब-गजब मामला सामने आया है। दरअसल, इस गांव में बंदरों का आतंक बढ़ गया है। इस कारण यहां के किसानों को नुकसान हो रहा है। इसे देखते हुए ग्रामीणों ने फसल की रखवाली के लिए रखवार (शिकारी) रखे हुए है। इस रखवार के लिए चावल दिए जाने राशन दुकान में सभी राशनकार्ड हितग्राही के एक-एक किलो चावल काटा जा रहा है। इस पूरे मामले की शिकायत मिलने पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने संज्ञान में लिया। कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान की जांच के लिए कवर्धा एसडीएम पीसी कोरी और खाद्य विभाग टीम को जांच के लिए गांव भेजा। जांच के दौरान ग्रामवासी उपस्थित थे। उनसे पूछताछ की गई। एसडीएम पीसी कोरी ने बताया कि सरकारी राशन की दुकान में किसी भी तरह की अनियमितता, राशन की अफरातफरी नहीं हुई है। उनके द्वारा पात्रतानुसार सभी हितग्राहियों को राशन वितरण किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा आपसी सहमति से मवेशियों, बंदरो से खेतों की सुरक्षा के लिए स्थानीय व्यवस्था के अनुसार, काम पर लगाए गए रखवार को चावल दान कर रहें है, जिसे रोका गया। टीम ने ग्रामवासियों को बताया कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान से प्राप्त राशन, खाद्यान्न पोषण युक्त होता है, जिसे घर के खाद्य के लिए ही उपयोग में लाए। टीम द्वारा ग्रामवासियों को समझाइश दी गई कि रखवार को दान में देने के लिए जो भी स्थानीय व्यवस्था हो ग्रामीण अपने घर स्तर पर ही करें। इस प्रकार का कार्य भविष्य में न हो इसके लिए ग्राम पंचायत इंदौरी और शासकीय उचित मूल्य की दुकान इंदौरी को पत्र के माध्यम से आदेशित किया गया।

नक्सलियों के दो हजार के नोटों को बैंक में जमा करने आया सहयोगी गिरफ्तार

बीजापुर। बीजापुर में नक्सलियों के दो-दो हजार रुपये के नोटों को बैंक में जमा करने आये एक सहयोगी से पुलिस ने साढ़े छह लाख रुपये बरामद किये हैं। सीआरपीएफ व जिला बल की संयुक्त पार्टी ने एमसीपी के दौरान यह कार्यवाही की हैं।

बीजापुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आवापल्ली थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति मोटर साइकिल से नक्सलियों का पैसा जमा कराने आवापल्ली आ रहा है जिसके पास 2 हजार रुपये के नोट भारी संख्या में हैं। सूचना के बाद बुधवार को आवपल्ली पुलिस और सीआरपीएफ 229 बटालियन सी कंपनी की संयुक्त टीम ने तालपेरु पेट्रोल पम्प के पास एमसीपी की कार्यवाही की।

कार्यवाही के दौरान मुखबिर की निशानदेही पर मोटर साइकिल से आते हुए व्यक्ति को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम महेश बाड़से, पिता भीमा, उम्र 24, निवासी मुरदण्डा कोमठगुड़ा थाना आवापल्ली बताया। इसकी मोटर साइकिल की टंकी में लगे बैग में 1 सफेद रंग की पॉलीथिन से 2000 - 2000 मूल्य की 3 गड्डी व 10 नोट अलग से कुल 6, 20000 रुपये, 30 नग प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के पर्चे बरामद किये गये।

बरामद सामग्री व रकम के संबंध में उससे वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया लेकिन महेश कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उससे कहा गया था कि पूरे पैसे को अलग-अलग लोगों के खाते में जमा कराना व बाद में इसे निकाल कर वापस कर देना। आवापल्ली पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही के बाद महेश को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय बीजापुर में पेश किया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कलेक्टर ने किया सहायक ग्रेड-2 को निलंबित

जगदलपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री विजय दयाराम के.ने पेंशन प्रकरण तैयार करने में विलंब करने वाले सहायक ग्रेड-2 को निलबिंत किया। तहसील कार्यालय दरभा में पदस्थ सहायक ग्रेड- 02 (नायब नाजिर) श्री गोपालराम बाघ को कार्यालय के पूर्व कर्मचारी स्वर्गीय श्री सुनील कुमार आचार्य, मृत्यु 13 अप्रैल 2022 को होने के उपरांत उनके पेंशन प्रकरण तैयार करने में अत्यधिक विलम्ब करने के कारण श्री बाघ को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम- 09 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बास्तानार निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

दो दिन नहीं खुलेगा नल टैंकर से की जाएगी आपूर्ति

रिसाली। फिल्टर प्लांट बंद होने की वजह से नगर पालिक निगम रिसाली के 27 वार्डो में 2 दिन नल नहीं खुलेगा। आवश्यकता अनुसार पेयजल टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। आयुक्त आशीष देवांगन ने स्थिति को देखते हुए जल कार्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। जल कार्य विभाग के प्रभारी सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि शिवनाथ इंटक वेल से जल शोधन संयंत्र तक के लिए बिछाई गई पाइप लाइन में लिकेज है। लिकेज मरम्मत कार्य दुर्ग में सोमवार 3 जुलाई से आरंभ किया जाएगा। इस वजह से रिसाली निगम क्षेत्र के 27 वार्ड में सोमवार की शाम और मंगलवार को दोनो पहर पेय जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। गुप्ता ने बताया कि प्रभावित वार्ड को सूची बद्ध कर लिया गया है। वहा टैंकर से पेय जल आपूर्ति की जाएगी। निगम क्षेत्र के टाउन शिप के 7 वार्ड में भिलाई इस्पात संयंत्र और डूंडेरा टु पुरैना के 6 वार्ड पानी सप्लाई मोरीद से किया जाता है। निगम क्षेत्र के 13 वार्ड में पेय जल आपूर्ति नियमित समय पर की जाएगी।

नदी पार करते समय पलटी नाव, पांच ने तैरकर बचाई जान

कांकेर। छोटेबैठिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रवाहित कोटरी नदी पुलविहीन होने के कारण शुक्रवार को पांच लोग नाव से नदी पार रहे थे अचानक ही तेज बहाव में नाव पलट गया और जैसे-तैसे सभी लोगों ने अपनी जान बचाई। लेकिन इस नाव में एक व्यापारी दो लाख रुपये का किराना सामान लेकर बैठा था जो बह गया। नदी पार करते वक्त बीच में जलस्तर बढ़ने के चलते नाव अनियंत्रित हो गई और नांव पलट गई। जिससे नाव में सवार पांचों लोग नदी में कूद गए और अपनी जान बचाई। लोगों ने नाव से कूदकर अपनी जान जरूर बचा ली, लेकिन नाव में सवार व्यापारी द्वारा लदे दो लाख रुपये का किराना सामान बह गया।

मकान के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना चाहती हैं झूना बाई

धमतरी। धमतरी जिले के विकासखंड नगरी के ग्राम छुही में अपने पति दशरूराम के साथ वर्षों से निवासरत श्रीमती झूना यादव के परिवार की स्थिति सामान्य नहीं थी। एक तरफ रोजी-रोटी की चिंता थी, तो दूसरी ओर बारिश में कच्चे मकान से पानी टपकने की समस्या ने दम्पत्ति की नींद उड़ा रखी थी। इस परिवार का नाम सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना के सूची में दर्ज किया गया और पात्र सूची में दर्ज कर अनुदान प्रदान किया गया। अनुदान मिलने के बाद झूना और उनके पति बुधराम ने मेहनत के साथ 3 कमरों का पक्का आवास बनाने का सपना पूरा करने का काम प्रारंभ किया। अब कुछ ही दिनों में पति पत्नी पक्के आवास में सुकून का जीवन जी सकेंगें। इस मदद के लिए यह दंपत्ति राज्य शासन एवं प्रशासन को आभार और धन्यवाद देता है। श्रीमती झूना बाई कहती है, कि जब उनका मकान पूरा बनकर तैयार हो जायेगा, तो वह प्रदेश के मुख्यमंत्री को मकान का शुभारंभ करने का न्यौता देना चाहती है।

बारिश से मुंगेली का स्कूल पानी से भरा

मुंगेली। मुंगेली के लोरमी में एक बार फिर स्कूल शिक्षा विभाग की तैयारियों की पोल खुल गई है। यहां शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद की तस्वीर हर किसी को हैरान करने वाली है। सोशल मीडिया में लोरमी के एक स्कूल का वीडियो सामने आया है। वीडियो में स्कूल के हालात ये बताने को काफी है कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और स्कूल खोलने से पहले की तैयारी कैसी रही है। दरअसल, ये वीडियो मुंगेली जिला के लोरमी विकासखंड का है। लोरमी ब्लॉक अंतर्गत बिजराकापा कला गांव के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला का ये वीडियो है। स्कूल मानसून की पहली बारिश में ही तालाब में तब्दील हो गया। यहां पढ़ने आए बच्चे क्लासरूम में घुटने तक भरा पानी निकालते नजर आए। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि नौनिहाल, अपने बर्तन से स्कूल के अंदर भरे पानी को बाहर की ओर फेंक रहे हैं। इस वीडियो को देख ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि बच्चों का भविष्य अंधकार में है। वीडियो को देखने के बाद बच्चों के परिजनों ने भी नाराजगी जाहिर की है।

बेमेतरा नगर पालिका से कांग्रेस के धरम वर्मा ने दर्ज की जीत

■ पार्षद उपचुनाव: भाजपा प्रत्याशी को छह वोट से हराया

बेमेतरा। बेमेतरा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 6, चंद्रशेखर आजाद वार्ड में रिक्त एक पार्षद पद के लिए हुए उप निर्वाचन में उम्मीदवार धरम वर्मा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने निकटतम प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्मण सिंह यादव को 6 वोट से हराया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पदुम सिंह एल्मा ने विजयी प्रत्याशी धरम वर्मा को प्रमाण पत्र सौंपा।

मतगणना आज शुक्रवार 30 जून को कलेक्ट्रेट के दृष्टि- सभाकक्ष में की गई। जिला निर्वाचन कार्यालय बेमेतरा से मिली जानकारी के अनुसार उप चुनाव में कुल 1197 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें धरम वर्मा को 554 और लक्ष्मण सिंह यादव को 548 मत मिले, वहीं निर्दलीय उम्मीदवार रमेन्द्र कुमार वर्मा को 38 मत मिले।

मतदाताओं ने नोटा में 03 मत डाले और 54 मत अमान्य पाए गए। उम्मीदवार धरम वर्मा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने निकटतम प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्मण सिंह यादव को 6 वोट से हराया। श्री धरम वर्मा को 554 और लक्षण सिंह यादव को 548 मत मिले, वहीं निर्दलीय उम्मीदवार को 38 मत मिले। मतदाताओं ने नोटा में 03 मत डाले और 54 मत अमान्य पाए गए।

कांग्रेस प्रत्याशी ने 113 वोट से दर्ज की जीत

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के नगर पालिका परिषद चांपा में वार्ड नं 24 में पार्षद उप चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई है। 28 जून को वोटिंग हुई थी। आज 30 जून शुक्रवार को वोट की गिनती की गई। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा के बीच टक्कर देखने को मिली। कांग्रेस प्रत्याशी ने 113 वोट से भाजपा प्रत्याशी को हराकर जीत दर्ज की है।

मिली जानकारी अनुसार, आज सुबह 10 बजे से वोट की गिनती शुरू की गई। वार्ड नंबर 24 में कुल 1,003 वोटर थे, जिसमें 823 वोट पड़े थे। वोट की गिनती दो चरण में की गई। जिसमें पहले चरण की गिनती में कुल 365 वोट की गिनती हुई। जिसमें कांग्रेस को 223, भाजपा को 121, नोटा 0, रिजेक्ट 11 हुए। जिसमें पहले चरण में 111 वोट से कांग्रेस ने बढ़ोतरी की। दूसरे चरण में कुल 458 वोट की गिनती हुई। जिसमें कांग्रेस को 224, भाजपा को 223 नोटा 5, रिजेक्ट 6 हुए। दूसरे चरण में दो वोट से कांग्रेस प्रत्याशी ने बढ़ोतरी की। कांग्रेस प्रत्याशी भूपेंद्र यादव ने अपने प्रतिद्वंदी बीजेपी प्रत्याशी विद्यया भूषण भोपाल को 113 वोट से हराकर पार्षद पद पर अपनी जीत दर्ज की है।

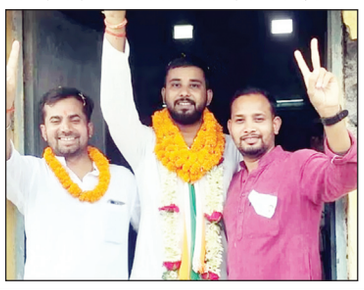

राशन दुकान का लाइसेंस रद्द होने पर प्रशासन के खिलाफ धरने पर बैठा बुजुर्ग

एमसीबी। राशन दुकान का लाइसेंस रद्द होने के बाद चनवारीडांड के पूर्व दुकान संचालक ने प्रशासन पर एक पक्षीय कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में राशन दुकान संचालक अनशन पर बैठा था। दुकान संचालक ने शासन की कार्रवाई के बाद से ही अन्न और जल त्याग दिया था ।जिसके कारण उसका बीपी लो हो गया। लाइसेंस निरस्तीकरण को रद्द करने की मांग कर रहे दुकान संचालक की जब तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। इसके बाद एसडीएम, एसडीओपी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम बुजुर्ग को उठाकर हॉस्पिटल ले गई।

आपको बता दें कि मनेंद्रगढ़ के चनवारीडांड क्षेत्र में राशन कम मिलने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उल्लंघन करने की शिकायत मिली थी ।जांच के बाद शिकायत सही पाई गई। जिसके बाद एसडीएम मनेंद्रगढ़ ने शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान चनवारीडांड का लाइसेंस निरस्त कर दिया। इस पर पूर्व संचालक ने सरपंच पर झूठी शिकायत और प्रशासन पर एकपक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाते हुए जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के भगत सिंह तिराहे पर गुरुवार से आमरण अनशन शुरू किया था। अस्पताल में चल रहा बुजुर्ग का इलाज- आपको बता दें कि चनवारीडांड राशन दुकान में अनियमितता मिलने के बाद एसडीएम मनेंद्रगढ़ ने दुकान को निरस्त करने के बाद दूसरे पंचायत में अटैच कर दिया है। जिसके विरोध में पूर्व राशन दुकान संचालक धरने पर बैठा था। लेकिन प्रशासन के खिलाफ किये जा रहे अनशन के दौरान वृद्ध की तबीयत बिगड़ी। तब प्रशासन हरकत में आया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

यूसीसी विधेयक मानसून सत्र में पेश किया जाएगा : सूत्र

नईदिल्ली। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि

सरकार अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता लागू करने पर एक विधेयक पेश कर सकती है। सूत्रों ने कहा कि विधेयक को संसदीय स्थायी समिति को भेजा जा सकता है जो समान नागरिक संहिता पर विभिन्न हितधारकों के विचार सुनेगी। यह कार्मिक, सार्वजनिक शिकायतों, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा कानून पैनल द्वारा जारी हालिया नोटिस पर 3 जुलाई को विधि आयोग और कानून मंत्रालय के प्रतिनिधियों को बुलाए जाने के बाद आया है। विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर हितधारकों की राय जानने के लिए नोटिस जारी किया था। सूत्रों के हवाले से कानून और कार्मिक पर स्थायी समिति के कार्यक्रम के अनुसार, यह 14 जून, 2023 को भारत के विधि आयोग द्वारा जारी सार्वजनिक नोटिस पर कानून पैनल और कानून मंत्रालय के कानूनी मामलों और विधायी विभागों के प्रतिनिधियों के विचारों को सुनेगी।

शाह जा सकते हैं तो विपक्ष के लोग मणिपुर नहीं जा सकते?

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की

मणिपुर यात्रा को लेकर राजनीति तेज है। भाजपा राहुल गांधी पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से पलटवार किया जा रहा है। कांग्रेस का साफ तौर पर कहना है कि भाजपा को राहुल गांधी से जलन है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे (बीजेपी) हमेशा ईर्ष्या से बात करते हैं। यदि कोई कांग्रेस नेता वहां (मणिपुर) जाकर लोगों की कठिनाइयों को समझने की कोशिश करता है, तो वे इसे नाटक कहते हैं। उन्होंने कहा कि यह आपकी तानाशाह वाली मानसिकता दिखाता है। वह विपक्ष को देश में सहन नहीं कर सकते। ऐसे विचारधारा वाले लोगों की निंदा करता हूं। खड़गे ने कहा कि जब अमित शाह जा सकते हैं तो विपक्ष के लोग वहां क्यों नहीं जा सकते? अगर वे (राहुल गांधी) गए तो ड्रामा, आप गए तो क्या? महाड्रामा? आपको उनकी यात्रा के बारे में 4 दिन पहले ही पता था, तो आपने उनको सुरक्षा पहले क्यों नहीं दी।

भाजपा पिछड़े मुसलमानों के आरक्षण का विरोध बंद करे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पसमांदा मुसलमानों पर दिये गये वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा को कम से कम प्रधानमंत्री मोदी को गंभीरता से सुनना चाहिए और पिछड़े मुसलमानों को आरक्षण का विरोध बंद कर देना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती ने इस संबंध में शुक्रवार को ट्वीट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में भाजपा के कार्यक्रम में कहा कि भारत में रहने वाले 80 फीसदी मुसलमान पसमांदा, पिछड़े, शोषित हैं। यह उस कड़वी जमीनी हकीकत को स्वीकार करना है, जिससे उन मुस्लिमों के जीवन सुधार हेतु आरक्षण की जरूरत को समर्थन मिलता है। बसपा प्रमुख ने इस संबंध में किये अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा अत: अब भाजपा को पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण का विरोध बंद कर देना चाहिए।

अध्यादेश को चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार

नईदिल्ली। दिल्ली की आम आमदी पार्टी

अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र सरकार के अध्यादेश को चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग पर केंद्र के अध्यादेश को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। केंद्र सरकार ने बीते महीने दिल्ली में ग्रुप ए अधिकारियों के ट्रांसफर और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश जारी किया था। जिसका केजरीवाल सरकार विरोध कर रही है। इससे पहले आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार के दिल्ली अध्यादेश की प्रतियां जलाकर उसके खिलाफ 3 जुलाई से चरणबद्ध अभियान चलाने का ऐलान किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर अध्यादेश की प्रतियां जलाएंगे।

अनिल परब को चार जुलाई तक अंतरिम राहत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने बृहन्मुंबई

महानगरपालिका (बीएमसी) के एक सहायक अभियंता पर कथित तौर पर हमला करने के मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल परब को शुक्रवार को गिरफ्तारी से चार जुलाई तक अंतरिम सुरक्षा प्रदान कर दी। परब और छह अन्य ने मामले में गिरफ्तारी के डर से अग्रिम जमानत के अनुरोध को लेकर अदालत का रुख किया था। अदालत ने पुलिस को आरोपियों के खिलाफ चार जुलाई तक गिरफ्तारी की कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। अधिवक्ता राहुल अरोते के माध्यम से दाखिल याचिका में आरोपियों ने दावा किया था कि महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक हालात के चलते, प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल सियासी फायदा उठाने के लिए शिवसेना (यूबीटी) और उसके नेताओं को निशाना बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन भवनों की आधारशिला रखी

विकसित भारत का निर्माण ही हमारा लक्ष्य: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर, प्रौद्योगिकी संकाय भवन और अकादमिक ब्लॉक की आधारशिला रखी। ये भवन विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में बनाए जाएंगे। पीएम मोदी दिल्ली विश्वविद्यालय पहुंचने के लिए दिल्ली मेट्रो की सवारी की। आधारशिला रखने से पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के अब तक के सफर पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निष्ठा धृति सत्यम, विश्वविद्यालय का ये ध्येय वाक्य अपने हर एक छात्र के जीवन में मार्गदर्शक दीपक की तरह है... जिसके पास ज्ञान है वही सुखी है, वही बलवान है। वास्तव में वही जीता है जिसके पास ज्ञान है। उन्होंने आगे कहा कि एक समय था जब दिल्ली यूनिवर्सिटी में सिर्फ 3 कॉलेज थे, अब 90 से ज्यादा कॉलेज हैं। एक समय था जब भारत नाजुक अर्थव्यवस्थाओं की सूची में आता था और आज ये दुनिया के शीर्ष 5 अर्थव्यवस्था में है। आज दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या लड़कों से ज्यादा है। इसी तरह देश में भी जेंडर अनुपात में काफी सुधार आया है। पीएम मोदी ने कहा, शिक्षण संस्थान की जड़ें जितनी गहरी होती हैं, देश की शाखाएं उतनी ही ऊंचाइयों को छूती हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में भारत के केवल 12 विश्वविद्यालय होते थे मगर आज ये संख्या 45 हो गई है। हमारे शिक्षण संस्थान दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। हमारे संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र संकाय अनुपात और प्रतिष्ठा, सभी में तेजी से सुधार कर रहे हैं। बकौल पीएम मोदी- आज देश भर में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय, कॉलेज बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, एआईआईएमएस जैसी संस्थाओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। ये सभी संस्थान नए भारत के निर्माण खंड बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 साल बाद जब देश अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा तब दिल्ली विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 125 वर्ष मनाएगी। तब हमारा लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता था। अब हमारा लक्ष्य 2047 तक

विकसित भारत का निर्माण है। पिछली शताब्दी के तीसरे दशक ने स्वतंत्रता संग्राम को नई गति दी थी, अब इस शताब्दी का ये तीसरा दशक भारत की विकास यात्रा को नई रफ्तार देगा

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मेट्रो की सवारी की। उन्होंने लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन से दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन तक का सफर तय किया। इस दौरान प्रधानमंत्री को यात्रियों से संवाद करते देखा गया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, 'दिल्ली मेट्रो से दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के लिए जाते समय। युवाओं को अपने सह-यात्री के रूप में पाकर खुश हूं।' प्रधानमंत्री ने अपनी इस यात्रा से जुड़ी तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं। दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना एक मई 1922 को हुई थी। पिछले 100 वर्षों में विश्वविद्यालय का काफी विस्तार हुआ है और अब इसमें 90 कॉलेज और 86 विभाग हैं। अब तब छह लाख से अधिक विद्यार्थी दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त कर चुके हैं।

एससीओ की बैठक में मोदी-जिनपिंग 4 जुलाई को होंगे आमने-सामने

नईदिल्ली। भारत-चीन संबंधों में जारी गतिरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर आमने सामने होंगे। हालांकि यह मुलाकात द्विपक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय होगी। हम आपको बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले सप्ताह भारत की मेजबानी में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति शी चार जुलाई को एससीओ के प्रमुखों की 23वीं परिषद बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। हम आपको बता दें कि भारत की मेजबानी में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग के हिस्सा लेने के बारे में यह पहली आधिकारिक घोषणा है। भारत एससीओ का मौजूदा अध्यक्ष होने के नाते शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी के हाल के अमेरिका के राजकीय दौरे के बाद भारत और चीन के बीच यह पहली बहुपक्षीय बैठक होगी। भारत-अमेरिका के बीच हुए कई रक्षा करारों से चीन नाखुश बताया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि मई महीने में एससीओ सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक गोवा में और उससे पहले रक्षा मंत्रियों की बैठक दिल्ली में आयोजित की गयी थी। इन दोनों बैठकों में चीनी मंत्री शामिल हुए थे। मंत्रियों की भागीदारी को देखते हुए माना जा रहा था कि एससीओ वार्षिक शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी आएंगे। भारत सरकार ने उनको न्यौता भी भेज दिया था। लेकिन चीन के साथ हालिया द्विपक्षीय बैठकों के बावजूद दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है। इसके अलावा भारत की ओर से जी-20 बैठकों का आयोजन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर में किये जाने पर चीन और पाकिस्तान की ओर से जतायी गयी आपत्तियों को जिस तरह भारत ने खारिज करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी उससे भी संबंधों में तनाव बढ़ा है। इसी बात को देखते हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में चीन, रूस और पाकिस्तान के नेताओं की भागीदारी को लेकर संशय के बादल दिखने लगे थे इसलिए भारत ने डिजिटल तरीके से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी का फैसला लिया था।

मणिपुर में शांति के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं उसके लिए तैयार हूं : राहुल

■ राज्यपाल अनुसुइया उइके से मिले

इंफाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात करने के बाद हिंसाग्रस्त राज्य में शांति के लिए समाज के सभी वर्गों से शुक्रवार को अपील की और कहा कि हिंसा कोई समाधान नहीं है। उन्होंने मणिपुर की घटनाओं को एक त्रासदी बताया जो राज्य और देश के लिए ''दर्दनाक'' है। गांधी ने राजभवन के बाहर पत्रकारों से कहा, ''शांति के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं सभी लोगों से शांति कायम करने की अपील करता हूं क्योंकि हिंसा से कभी कोई हल नहीं निकल सकता।''

उन्होंने कहा, ''शांति ही आगे बढ़ने का रास्ता है और हर किसी को अब शांति के बारे में बात करनी चाहिए और उसकी ओर बढ़ना शुरू करना चाहिए। इस राज्य में शांति का माहौल कायम करने के लिए मैं हर संभव मदद करूंगा।'' गांधी ने कहा, ''मैं मणिपुर के लोगों का दर्द साझा करता हूं। यह एक भयानक त्रासदी है। यह मणिपुर और देश के लोगों के लिए बेहद दुखद और दर्दनाक है।'' उन्होंने इंफाल, चुराचांदपुर और मोइरांग में विभिन्न राहत शिविरों के अपने दौरों और सभी समुदायों के लोगों के साथ अपनी बैठकों के बारे में बताया। गांधी ने पत्रकारों से कहा, ''एक बात जो मैं सरकार से कहना चाहूंगा, वह यह है कि शिविरों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। भोजन में सुधार की जरूरत है।

दवाओं की आपूर्ति की जानी चाहिए। शिविरों से इस संबंध में शिकायतें आई हैं।'' कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में शांति बहाल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने शुक्रवार को नागरिक समाज संगठन के सदस्यों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनीं। गांधी ने नागरिक समाज संगठन 'कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' (सीओसीओएमआई), मणिपुर में नागा समुदाय की

शीर्ष संस्था 'यूनाइटेड नागा काउंसिल', 'शेड्यूल्ड ट्राइब डिमांड कमेटी' के प्रतिनिधियों और जेएनयू के प्रोफेसर बिमोल ए. सहित प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। कांग्रेस नेता ने सुबह मोइरांग शहर में दो राहत शिविरों में जाकर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी व्यथा सुनी थी।

गांधी सुबह इंफाल से हेलीकॉप्टर में सवार होकर मोइरांग पहुंचे थे। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि मोइरांग शहर के जिन दो शिविरों का गांधी ने दौरा किया, वहां लगभग 1000 लोग रह रहे हैं। राहुल गांधी के साथ मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह, पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र सिंह और पूर्व सांसद अजय कुमार थे। मोइरांग में आईएनए (आजाद हिन्द फौज) ने 1944 में भारतीय तिरंगा फहराया था। कुमार ने कहा, ''हमने मोइरांग का दौरा किया और दो राहत शिविरों में गए। राहत शिविरों के लोगों से मिलने के बाद, हम नेताजी स्मारक गए जहां राहुल गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित की।'' गांधी ने बृहस्पतिवार को चुराचांदपुर में राहत शिविरों का दौरा किया था, जो जातीय दंगों से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक है। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर के चुराचांदपुर में राहत शिविरों के गांधी के दौरे को लेकर बृहस्पतिवार को उस वक्त नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब कांग्रेस नेता के काफिले को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया था और उन्हें अपने गंतव्य तक हेलीकॉप्टर से जाना पड़ा। कांग्रेस नेता स्थानीय समुदायों को सांत्वना देने के लिए मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज ने टीम की घोषणा की

एंटीगुआ। भारत के खिलाफ दो मैचों की

टेस्ट श्रृंखला से पहले तैयारी शिविर के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने शुक्रवार को यहां टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज क्रेग ब्रेथवेट की अगुवाई में 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

शिविर एंटीगुआ के सीसीजी में शुरू होगा और टीम नौ जुलाई को डोमिनिका रवाना होगी। श्रृंखला का शुरुआती टेस्ट 12 जुलाई से डोमिनिका में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 20 जुलाई से त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में होगा।

इसके बाद 27 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज और तीन अगस्त से पांच मैचों की टी20 श्रृंखला शुरू होगी। सीडब्ल्यूआई के ट्विटर पर लिखा, '' सीडब्ल्यूआई पुरुष चयन पैनल ने आज कैरेबियाई टीम के खिलाफ भारत के दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत से पहले तैयारी शिविर के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की।''

वेस्टइंडीज इस समय आईसीसी विश्व कप क्वालीफायर में खेल रहा है, इसलिए शिविर में कुछ सीनियर खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे। जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ और काइल मायर्स शिविर का हिस्सा नहीं होंगे जबकि केवम हॉज, एलिक अथनाज और जेयर मैकएलिस्टर नये चेहरे हैं। वेस्टइंडीज की टीम नौ जुलाई तक जिम्बाब्वे में रहेगी।

टीम: क्रैग ब्रेथवेट (कप्तान), एलिक अथनाज, जर्मेन ब्लैकवुड, नक्रूमा बोनर, तेगनारायण चंद्रपॉल, रहकीम कॉर्नवाल, जोशुआ दा सिल्वा, शैनन गेब्रियल, केवम हॉज, अकीम जॉर्डन, जायर मैकएलिस्टर, किर्क मैकेंजी, मार्क्विनो माइंडली, एंडरसन फिलिप, रेमन रीफर, केमार रोच, जेडेन सील्स, जोमेल वारिकन।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

64 हजारी हुआ सेंसेक्स, निफ्टी भी 19,000 के रिकॉर्ड स्तर पर

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। बाजार जबरदस्त उछाल के साथ हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स लगभग 800 अंकों की उछाल के साथ नए ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ। निफ्टी भी 217 अंक चढ़कर 19,189.05 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। शेयर बाजार में जारी तेजी के साथ क्वश्च में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में रिकॉर्ड 295.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 803.14 अंक यानी 1.26 फीसदी की बढ़त के साथ 64,718.56 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,768.58 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,068.44 तक आया।

दुनिया के मूल्यवान बैंकों में शुमार होगा एचडीएफसी बैंक

नईदिल्ली। ऐसा पहली बार होगा जब देश कोई घरेलू बैंक मर्जर पूरा करने के बाद दुनिया के सबसे मूल्यवान बैंकों में शुमार हो जाएगा। यह प्रतिष्ठित शीर्ष स्थानों पर कब्जा या मेजर हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े अमेरिकी और चीनी बैंकों के लिए एक नई चुनौती होगी। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के मर्जर से एक ऐसा बैंक तैयार हुआ है जो इक्विटी बाजार पूंजीकरण में जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना लिमिटेड और बैंक ऑफ अमेरिका कॉर्प के बाद चौथे स्थान पर है। इसकी वेल्यू लगभग 172 अरब डॉलर है। 1 जुलाई से प्रभावी होने वाले नजर के साथ एक तरह से नए एचडीएफसी बैंक के पास लगभग 12 करोड़ कस्टमर्स होंगे, जो कि जर्मनी की जनसंख्या से भी ज्यादा है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार गिरावट

नई दिल्ली। कच्चा तेल में शुक्रवार को भी गिरावट देखी गई। डब्लूटीआई क्रूड ऑयल 0.27 फीसदी गिरकर 69.70 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि ब्रेंट क्रूड ऑयल 74.38 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर यह लंबे समय तक 75 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बना रहता है तो इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कटौती की जा सकती है। पिछले साल मार्च में एक समय कच्चे तेल की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर था। बता दें कि अमेरिका में स्टॉक में कमी आई है और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी सप्लाई टाइट है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इस बीच भारत में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार पिछले साल अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव किया था।

रसोई गैस, क्रेडिट कार्ड में आज से हो सकते हैं बदलाव

नईदिल्ली। जुलाई का महीना कई बड़े बदलावों के साथ शुरू हो जाएगा। जिसका आपकी जेब पर सीधा असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। रसोई से लेकर बैंक से जुड़े बदलाव आपको प्रभावित करने वाले साबित होंगे। तेल और गैस वितरण कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं। जिसका असर देशभर में देखने को मिलता है। इस बार भी एलपीजी की कीमतों में 1 जुलाई को बदलाव देखने को मिल सकता है। 1 जुलाई से विदेश में क्रेडिट कार्ड से होने वाले खर्च पर टीसीएस शुल्क लगाया जा सकता है। इस नियम के अंतर्गत अगर आप 7 लाख या उससे ज्यादा का खर्चा करते हैं। ऐसे में आपको 20 प्रतिशत टीसीएस का भुगतान करना पड़ सकता है। हालांकि, शिक्षा और मेडिकल खर्चों के लिए यह चार्ज घटाकर 5 फीसदी कर दिया जाएगा।

अमेरिका के साथ हुए समझौतों से और तेज होगी भारत के विकास की रफ्तार

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिकी ई-कामर्स कम्पनी अमेजन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एंडी जैसी ने भी घोषणा की है कि अमेजन कम्पनी शीघ्र ही भारत में 1,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। कम्पनी पहले ही भारत में 1,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है, अब कम्पनी का भारत में कुल निवेश बढ़कर 2,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा।

इसी प्रकार, भारत और अमेरिका के बीच जेट इंजन के निर्माण की इकाई स्थापित करने पर भी सहमति बन गई है। इस सम्बंध में भारत की ओर से हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स कम्पनी ने एवं अमेरिका की ओर से जनरल इलेक्ट्रिक कम्पनी ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये है। इससे भारत में ही निर्मित हो रहे तेजस विमान के इंजन को भी अपग्रेड किया जा सकेगा। अमेरिका भारत को अतिआधुनिक एवं शक्तिशाली एमक्यू-9बी ड्रोन भी उपलब्ध कराने को तैयार हो गया है। अमेरिका 60,000 भारतीय इंजीनियरों को सेमीकंडकर सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से ट्रेनिंग देने के लिए भी सहमत हो गया है। अर्थात, इस सम्बंध में उच्च तकनीकी भारतीय इंजीनियरों को उपलब्ध करायी जाएगी। मैक्रोन नामक कम्पनी भारत में ही ड्रोन निर्माण हेतु एक इकाई की स्थापना भी करने जा रही है, इसके निर्माण पर मैक्रोन कम्पनी द्वारा भारी भरकम राशि का निवेश भारत में किया जाएगा।

अमेरिका ने भारतीय स्टील एवं अल्यूमिनियम के आयात पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इससे अब अमेरिकी बाजार में भारतीय स्टील और अल्यूमिनियम पहले की

तुलना सस्ते हो जाएंगे एवं इससे भारत में निर्मित स्टील उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ जाएगी। भारतीय स्टील उद्योग को इससे बहुत फायदा होने की सम्भावना बन गई है।

अमेरिका की विभिन्न कम्पनियों द्वार भारत में किये जाने वाले उक्त वर्णित भारी भरकम राशियों के निवेश से भारत में विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर को निश्चित ही बल मिलेगा एवं भारत के कुल सकल उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की भागीदारी में सुधार होगा।

भारत में जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की दर भी उत्साहजनक स्तर 35 प्रतिशत रही है एवं पूरे वित्तीय वर्ष 2022-23 में 29 प्रतिशत रही है। इसका आशय यह है कि भारत में निवेश के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर है, जो आगे आने वाले समय के लिए आर्थिक विकास दर को और अधिक तेज करने में सहायक होने जा रहा है। वर्तमान में पूंजी निवेश की दर में वृद्धि केंद्र सरकार द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में किए जा रहे भारी भरकम राशि के निवेश के चलते हो रही है परंतु अब चूंकि औद्योगिक इकाईयों की कुल उत्पादन क्षमता का 74 प्रतिशत से अधिक उपयोग होने लगा है अत: अब निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा भी भारत में अपने निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा, इससे शीघ्र ही सकल स्थायी पूंजी निर्माण की दर में और अधिक सुधार दिखाई देने लगेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह भी एक संतोष का विषय है कि भारत में मानसून पिछले 4-5 वर्षों में लगातार अच्छा बना रहा है एवं इस वर्ष भी भारत में सामान्य बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के कारकों में शामिल हैं, केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू किए गए विभिन्न सुधार कार्यक्रम, भारत में निवेश के लिए बेहतरीन माहौल तैयार करना, भारत में 130 करोड़ से अधिक नागरिकों का उपभोक्ता बेस उपलब्ध होना अर्थात विशाल घरेलू मार्केट, जिसके चलते भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती जा रही है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर कानून, बैंकिंग क्षेत्र में दिवालियापन कानून एवं उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के लागू करने का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है।

अचानक क्यों बदले बराक ओबामा के सुर

अंशु जोशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन को भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाना चाहिए। बराक ओबामा एक डेमोक्रेट लीडर हैं। बाइडन भी हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की विचारधारा वामपंथी है। मोदी जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं, हम जानते हैं कि यह एक राष्ट्रवादी पार्टी है। ऐसे में ओबामा की तरफ से जो बयान आया, उसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं। अमेरिका में पिछले जो डेमोक्रेट राष्ट्रपति रहे हैं, उनकी लाइन कहीं न कहीं प्रो-लेफ्ट रही है। विचारधारा की दृष्टि से ओबामा भी राष्ट्रपति के तौर पर पार्टी लाइन को बहुत प्रॉमिनेंटली रखते थे। एक डेमोक्रेट लीडर के रूप में वह हमेशा प्रो-लेफ्ट दिखाई दिए। यह नहीं भूलना चाहिए कि आने वाले दिनों में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। बाइडन ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है, मगर अभी तक डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी ने अपने कैंडिडेट्स फाइनल नहीं किए हैं। ओबामा की तरफ से जब यह बयान आया, तब अमेरिका-भारत के बीच कई अहम समझौते एकदम अंतिम पड़ाव पर थे। भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका उचित उत्तर दे दिया था, जब एक पत्रकार ने ओबामा की ही बात को घुमा-फिराकर उनके सामने रखा। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भारत अनेकता में एकता का देश है। माइनॉरिटी राइट्स की बात करें या भारत के एक-एक नागरिक की, किसी की जाति, धर्म या जेंडर क्या है, इस पर ध्यान दिए बगैर सबके मूलभूत अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में माइनॉरिटी राइट्स का उल्लंघन हो रहा है, माइनॉरिटी के साथ कोई बुरा वर्ताव हो रहा है, इस प्रकार के प्रोपेगेंडा से बचना चाहिए। वहीं भारतीय रक्षा मंत्री और वित्त मंत्री ने कहा कि जब ओबामा स्वयं राष्ट्रपति थे, तो यमन, सीरिया और अन्य तमाम मुस्लिम देशों में उन्होंने आतंकवाद से लड़ाई के नाम पर क्या किया, यह पूरा विश्व जानता है। एबटाबाद में अमेरिका ने बड़ा ऑपरेशन करके अलकायदा चीफ को मार दिया था। ऐसे में यह याद रखना चाहिए कि धर्म विशेष और वैश्विक समस्याओं को आपस में जोड़ना सही नहीं है। यह बात ओबामा के लिए भी समझने की है कि जब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात होगी, तब भारत सरकार वहां किसी का धर्म, पंथ या जाति देखकर एक्शन नहीं लेगी। जम्मू और कश्मीर में भारत सरकार जो कुछ भी कर रही है, देश के एक-एक नागरिक की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कर रही है। यह आतंकवाद के विरुद्ध अभियान का हिस्सा है। ऐसे में हम किसी धर्म विशेष को बीच में नहीं ला सकते। ओबामा के बयान पर अमेरिका से भी कुछ स्ट्रॉन्ग रिएक्शंस आए हैं। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग के पूर्व आयुक्त जॉनी मून ने कहा कि भारत मानव इतिहास में सबसे विविधता वाला देश है। विविधता ही उसकी ताकत है। ओबामा को भारत की आलोचना करने के बजाय उसकी सराहना करने में अपनी ऊर्जा खर्च करनी चाहिए। बाइडन और अमेरिकी प्रशासन भी इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझ रहे हैं। इसीलिए बाइडन की तरफ से भी इसी प्रकार का स्टेटमेंट आया कि भारत अनेकता में एकता का देश है। उसकी हमें सराहना करनी चाहिए।

समान नागरिक संहिता पर नई बहस

राजेश चौधरी

यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान आचार संहिता के मामले में लॉ कमिशन ने एक बार फिर कंसल्टेशन पेपर जारी करने का फैसला किया है। उसने पब्लिक और धार्मिक संस्थाओं से राय मांगी है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में इसका समर्थन करके माहौल गरमा दिया है। उन्होंने कहा कि जब दो तरह के कानून से घर नहीं चलता तो देश कैसे चल सकता है। विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। अगले साल देश में आम चुनाव होने हैं। जाहिर है, आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो सकती हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता की व्यवस्था की थी, ताकि आगे चलकर सभी धर्म और संप्रदाय के लोगों के लिए एक जैसा पर्सनल लॉ बनाया जा सके। इसके मुताबिक, राज्य इस बात का प्रयास करेगा कि सभी नागरिकों के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड हो। अभी देश भर में तमाम धर्मों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ हैं जिनके हिसाब से विभिन्न समुदायों में शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, विरासत आदि से जुड़े मसले तय होते हैं। कॉमन सिविल कोड के लागू होने पर देश भर के तमाम धर्मों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून होगा।

यूनिफॉर्म सिविल कोड के समर्थक कहते हैं कि इसे लागू करने से कई तरह के लाभ हैं। देश और समाज को सैकड़ों जटिल कानूनों से मुक्ति मिलेगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ में बहुविवाह अर्थात चार निकाह करने की छूट है, लेकिन अन्य धर्मों में 'एक पति-एक पत्नी' का नियम लागू है। हिंदू, ईसाई और पारसी के लिए तो दूसरा विवाह अपराध है। भारतीय दंड संहिता की धारा 494 में इसके लिए 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसीलिए कई लोग दूसरा विवाह करने के लिए अक्सर इस्लाम अपना लेते हैं। विवाह की उम्र भी अलग-अलग धर्मों में अलग-अलग है। यह एक समान कर दी जाएगी और सबके लिए बालिग होने पर शादी का प्रावधान होगा तो लड़कियां पढ़ पाएंगी, अपने पैरों पर खड़ी हो पाएंगी। पैतृक संपति में पुत्र-पुत्री तथा बेटा-बहू को एक समान अधिकार प्राप्त होगा और संपत्ति को लेकर धर्म, जाति, क्षेत्र और लिंग आधारित विसंगति समाप्त होगी। अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग कानून होने के कारण अनावश्यक मुकदमेबाजी में उलझना पड़ता है। ष्ट लागू होने से मुकदमेबाजी में कमी आएगी। हालांकि इससे पहले 31 अगस्त 2018 को पर्सनल लॉ और यूनिफॉर्म सिविल कोड पर कंसल्टेशन पेपर जारी करते हुए लॉ कमिशन ने कहा था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड इस स्टेज पर न तो जरूरी है और न ही उचित। उसने यह जरूर कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चे को पिता की संपत्ति में अधिकार देने के लिए कानून बनाने की दरकार है। यह भी कि लड़का और लड़की की शादी की उम्र एक की जानी चाहिए। फिलहाल लड़की की शादी की उम्र 18 साल और लड़के की 21 साल है। वहीं तलाक के बाद संपत्ति का आधा हिस्सा महिला को देने के संबंध में भी सुझाव दिया गया था। हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्मों से संबंधित पर्सनल लॉ में बदलाव के लिए पक्षकारों से पक्ष जानने के लिए डिटेल मांगी गई थी।

यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर सुप्रीम कोर्ट कई बार अहम टिप्पणी कर चुका है। 1980 में बहुचर्चित मिनर्वा मिल्स केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत के बीच सौहार्द और संतुलन संविधान का महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धांत है। 1985 में शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह अत्यधिक दुख का विषय है कि हमारे संविधान का अनुच्छेद 44 मृत अक्षर बनकर रह गया है। 1995 में सरला मुद?गल केस में सुप्रीम कोर्ट ने फिर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत व्यक्त की गई संविधान निर्माताओं की इच्छा को पूरा करने में सरकार और कितना समय लेगी? देश में समान नागरिक संहिता को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है। 2017 में तीन तलाक से संबंधित शायरा बानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम भारत सरकार को निर्देशित करते हैं कि वह उचित विधान बनाने पर विचार करे। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने जोस पाउलो केस में टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का कोई कारगर प्रयास अभी तक नहीं किया गया।

बहरहाल, अब यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर लॉ कमिशन ने सरकार से राय मांगी है। वैसे इसको लेकर जब पहली बार संविधान सभा में बहस हुई थी तब डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि व्यावहारिक रूप से इस देश में एक सिविल संहिता है जिसके प्रावधान सर्वमान्य हैं और समान रूप से पूरे देश में लागू हैं। लेकिन विवाह और उत्तराधिकार के मामलों में एक समान कानून लागू नहीं हैं। यह बहुत छोटा सा क्षेत्र है जिस पर हम समान कानून नहीं बना सके हैं। इसके लिए सकारात्मक बदलाव लाया जाए। वहीं संविधान सभा के सदस्य के.एम. मुंशी ने कहा, हम एक प्रगतिशील समाज हैं और ऐसे में धार्मिक क्रियाकलापों में हस्तक्षेप किए बिना हमें देश को एकीकृत करना चाहिए। संविधान सभा के सदस्य कृष्णास्वामी अय्यर ने कहा था कि कुछ लोगों का कहना है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड बन जाएगा तो धर्म खतरे में होगा और दो समुदाय मैत्री के साथ नहीं रह पाएंगे। इस अनुच्छेद का उद्देश्य ही मैत्री बढ़ाना है। समान नागरिक संहिता मैत्री को समाप्त नहीं, बल्कि मजबूत करेगी। तय माना जा सकता है कि आने वाले दिनों में इसको लेकर बहस काफी जोर पकड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से साफ है कि गेंद सरकार के पाले में है। ऐसे में आम चुनाव से पहले संसद के अंदर और बाहर तमाम राजनीतिक मंचों पर इसके पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस सुनने को मिले तो क्या आश्चर्य!

कृपया इनसे सीखें

और एक दिन मेहनत रंग लाई...

केमगौड़ा

इस घटना को चालीस साल से भी ज्यादा वक्त हो गया है। मैं पहाड़ियों पर अपनी भेड़ें चराने गया था। पहाड़ी पर कई तरह के पशु-पक्षी थे। मैंने देखा कि उनमें से अधिकांश जानवर परेशान दिख रहे थे जबकि उन्हें आसपास के इंसानों से कोई विशेष दिक्कत नहीं थी। दरअसल इलाके में पानी की कमी ही उनकी चिंता थी। मैंने सोचा कि क्यों न इन तमाम जानवरों का अस्तित्व बचाए रखने के लिए एक तालाब खोदा जाए। उस दिन से लेकर आज तक मैंने कुल चौदह तालाबों का निर्माण कराया है। इस काम में मैंने कम से कम पंद्रह लाख रुपये खर्च किए हैं। मैंने तालाबों के नाम अपने नाती-पोती के नाम पर रखे हैं। मैं कर्नाटक के मांड्या जिले मलावती तालुक में रहता हूँ। जब मैंने तालाब खोदने शुरु किए थे, तब गाँव वालों और मेरे नातेदारों ने भी मुझे पागल करार दिया था। तालाब बनाने के लिए जरूरी था, इसके डिजाइन और दूसरे तकनीकी पहलू का ज्ञान। इसके लिए मैंने पहाड़ी पर संघर्ष कर रहे जानवरों और पक्षियों का सूक्ष्म अवलोकन किया। उसके बाद मैं हर सुबह पाँच बजे से नौ बजते तक अकेले ही तालाब खोदने में जुट गया। नौ बजे से देर शाम तक मैं अपनी भेड़ें चराता। पहाड़ी पर तालाब खोदने के लिए कभी-कभार मैं रात में लालटेन लेकर भी जाता। मुझे अनुभव हो गया कि खुदाई किस जगह करनी है। मैं जहाँ भी खुदाई करता, वहाँ यकीन तौर पर भू-जल स्तर ऊपर होता, जिससे तालाब के जिंदा रहने की संभावना बढ़ जाती। इन चालीस वर्षों में तालाब की जरूरतों के लिए मैंने अपनी कई भेड़ें बैची हैं। रुक-रुककर धन एकत्रित करके अगला तालाब खोदा। सबसे खास बात यह है कि सभी तालाबों को आपस में जोड़ा भी, ताकि किसी तालाब में पानी कम या ज्यादा न रहे।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1996 1996 में जर्मनी की आशिकी सुधार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति व्यक्त की।
1999 स्कॉटलैंड के विधान प्रशासन को वेस्टमिंस्टर में स्कॉटिश कार्यालय से स्कॉटिश संसद में स्थानांतरित किया गया था।
2006 किन्हाई-तिब्बत रेलवे, दुनिया की सबसे ऊंची रेलवे और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र की एकमात्र रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया।
2007 इंग्लैंड में सार्वजनिक स्थलों पर स्मोकिंग पर प्रतिबंध प्रभावी हुआ।
2013 क्रोएशिया यूरोपीय संघ के 28 वा सदस्य बना।
2013 नेप्च्यून के चंद्रमा एस/2004एन1 की खोज की।
2014 मार्टिन शुल्ज यूरोपीय संसद के दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित किये गए।
2006 चीन जनवादी गणराज्य में किंघाई-तिब्बत रेलवे का पहला काम शुरू किया गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

चाक्षुषोपनिषद्

यह उपनिषद् कृष्ण यजुर्वेदीय परम्परा के अन्तर्गत है। इस उपनिषद् में अपने नाम के अनुरूप चक्षुरोग- नेत्ररोग दूर करने की सामर्थ्य है। इसमें सर्वप्रथम इस उपनिषद् की महत्ता बतलाई गई है। तदुपरान्त इस उपनिषद् के ऋषि, देवता, छन्द और विनियोग का उल्लेख है। तत्पश्चात् चक्षु के अभिमानी देवता सूर्यदेव से नेत्ररोग दूर करने की प्रार्थना है, जिसमें उनसे एक ही प्रार्थना की गई है कि हे भगवन! इस अज्ञान रूपी अन्धकार को हम सभी से दूर कर दें और तमोमय बन्धन में आबद्ध हुए हम सभी प्राणिजगत् को अपना दिव्य तेज प्रदान करके मुक्त करने की कृपा करें। इस प्रार्थना के साथ उपनिषद् का समापन किया गया है।

अब पाठ मात्र से सिद्ध हो जाने वाली चाक्षुषी विद्या की व्याख्या करते हैं। यह विद्या नेत्र के रोगों को पूर्णतया विनष्ट करने में समर्थ है। इससे नेत्र तेजोमय हो जाते हैं। इस चाक्षुषी विद्या के मन्त्र-द्रष्टा ऋषि अहिर्बुध्न्य हैं। छन्द-गायत्री है और देवता सूर्य (सविता) भगवान् हैं। नेत्र रोग के निवारणार्थ इसका विनियोग किया जाता है। हे चक्षु के अभिमानी सूर्य देवता! आप चक्षु में चक्षु के तेजोमय स्वरूप में प्रतिष्ठित हो जायें। आप मेरी रक्षा करें, रक्षा करें।

मेरे नेत्र रोगों का शीघ्र शमन करें, शमन करें। मुझे अपना स्वर्ण-सदृश दिव्य तेज (प्रकाश) दृष्टिगोचर करा दें, दृष्टिगोचर करा दें। जिससे कि मैं अन्धा न होऊँ, कृपा करके वैसा ही कोई उपाय करें, उपाय करें। (हम सभी का) कल्याण करें, कल्याण करें। मेरे द्वारा पूर्वजन्म में अर्जित पापों का, जो दर्शनशक्ति के अवरोधक हैं, उन सभी को समूल नष्ट कर दें। मूल सहित उखाड़ दें। नेत्रों को दिव्य तेजोमय बनाने वाले दिव्य प्रकाश स्वरूप भगवान् भास्कर के लिए नमन-वन्दन है। कार रूप भगवान् करुणामय अमृतस्वरूप को नमस्कार है। भगवान् सूर्य (सविता) देवता को नमस्कार है। नेत्र के तेज स्वरूप भगवान् सूर्य देवता को नमन है। आकाश में विचरण (विहार) करने वाले भगवान् सूर्य को नमन-वन्दन है। महान् श्रेष्ठतम स्वरूप को नमस्कार है।

क्रमशः ...

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

प्रदीप कुमार सिंह

1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पृथ्वी पर मानवों का भगवान कहे जाने वाले चिकित्सकों को समर्पित है। संसार के अलग-अलग देशों में यह दिवस भिन्न-भिन्न तिथियों पर मनाया जाता है। भारत के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. बिधान चन्द्र रॉय को श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये 1 जुलाई को उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर इसे प्रतिवर्ष मनाये जाने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1991 में घोषणा की थी। जिसका मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के बारे में आमजनों को जागरूक करना है।

डॉ. रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार के पटना में हुआ था। रॉय साहब ने अपनी डॉक्टरी की डिग्री कलकत्ता से पूरी की और 1911 में अपनी एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से पूरी की और उसी वर्ष से भारत में एक चिकित्सक के रूप में अपने चिकित्सा जीवन की शुरुआत की। 4 फरवरी 1961 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। इस दुनिया में अपनी महान सेवा देने के बाद 80 वर्ष की आयु में 1962 में अपने जन्मदिवस के दिन ही 1 जुलाई को उनकी मृत्यु हो गयी।

डॉ. बिधान चन्द्र रॉय जैसे डॉक्टरों को ही धरती पर भगवान का रूप कहा गया है। इस बात को कानपुर में रहने वाले डॉ. अजीत मोहन चौधरी ने पूरी तरह सच कर दिखाया। डॉ. चौधरी ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। 100 बेड के अस्पताल का मालिक होने के बावजूद भी डॉ. अजीत हर रोज कानपुर कचहरी के बाहर फुटपाथ पर बैठकर गरीब बीमारों को चेकअप करते हैं और उन्हें मुफ्त में दवा भी देते हैं। डॉ. चौधरी ने शहीद सैनिकों के सम्मान में गरीब और असहाय लोगों का मुफ्त इलाज करने की ठान ली। वह रोजाना 2 घंटे गरीबों और असहाय लोगों का मुफ्त में इलाज करने लगे। विश्व में अनेक चिकित्सा पद्धतियां प्रचलित हैं। जैसे- एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, इलेक्ट्रोपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, आहार चिकित्सा, संगीत चिकित्सा, हास्य योग, हास्य थिरेपी आदि चिकित्सक को मरीज से कभी यह नहीं कहना चाहिए कि आपकी बीमारी लाइलाज है वरन् यह कहना चाहिए कि आपका इलाज हमारी पैथी में नहीं है। जहां दवा कार्य नहीं करती वहां दुआ से भरी उम्मीद कार्य करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मत है कि जो व्यक्ति उत्साहपूर्ण होगा, खुश होगा, सन्तुष्ट होगा, उसे सहसा किसी बीमारी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वह बीमार भी पड़े तो जल्द ही ठीक हो जाता है। हंसने पर हमारे शरीर में पेट के स्नायुओं में लयबद्ध हलचल पैदा होती है और अंतड़ियों में भी संतुलित घर्षण निर्माण होती है। इस कारण पाचनशक्ति में सुधार होता है।

अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों ने 'हास्य' पर शोध किया है। उसके निष्कर्ष यही दिखाते हैं कि हास्य, स्मृति, मन के स्तर पर संतोष की खास लहरें निर्माण करती हैं। रासायनिक खेती, प्रदूषण तथा खाने-पीने की चीजों में मिलावट आदि भी अनेक रोगों के मुख्य कारण हैं। चिकित्सकों को अपने रोगी को नियमित रूप से 'करो योग रहो निरोग' की सलाह भी देनी चाहिए। आज विश्व के अनेक देशों में शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल किया है।

रूस में पुतिन की कमजोर होती पकड़

डॉ. राजन कुमार

रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की लोकप्रियता तीन बातों पर निर्भर है। पहला, उन्होंने रूस को राजनीतिक स्थिरता प्रदान की। दूसरा, उन्होंने रूस को विकास के पथ पर अग्रसर किया। और तीसरा, उन्होंने विदेश नीति में रूस की स्वायत्तता बहाल की, जो पिछली अवधि के दौरान पश्चिमी प्रभाव में थी। लेनिन और स्टालिन के बाद, पुतिन रूस के सबसे लोकप्रिय नेता बन गये हैं। उन्होंने पिछले 23 वर्षों से बिना किसी बड़े विरोध के रूस पर शासन किया है। लेकिन, वैगनर विद्रोह ने रूस की स्थिरता और पुतिन की पकड़ पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में थी और अब क्रेमलिन के एक अंदरूनी शख्स ने विद्रोह कर दिया। और यह संघर्ष किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि पुतिन के विश्वासपात्र रहे प्रिगोझिन ने शुरू किया है। ऐसे में विशेषज्ञों ने रूस में पुतिन के प्रभाव पर असहज सवाल उठाना शुरू कर दिया है। रूसी आधिकारिक बयानों को देखा जाए, तो ऐसा प्रतीत होगा कि पुतिन ने वैगनर मिलिशिया के नेता येवगेनी प्रिगोझिन के साथ बातचीत करके संकट को अच्छी तरह से संभाल लिया है। लेकिन अगर हम सतह के नीचे देखें, तो हम पाते हैं कि एक नयी प्रक्रिया चल रही है। रूस में एक प्रतिद्वंद्वी शक्ति केंद्र उभर रहा है। एक ऐसी शक्ति, जिसे आसानी से दबाया नहीं जा सकता।

प्रिगोझिन के समर्थक अधिक रूढ़िवादी, असहिष्णु, और हिंसक हैं। उन्होंने बखमुत और सोलेडर की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभायी है। रूसी नागरिक उन पर भरोसा करते हैं और उन्हें पश्चिम के एजेंट के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। प्रिगोझिन को बेलारूस में निर्वासित कर दिया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन लाखों लोगों का क्या होगा, जिन्होंने उनका समर्थन किया और जिन्हें अब लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है। प्रिगोझिन रूस में एक अति-राष्ट्रवादी गुट का प्रतिनिधित्व करते थे। अपने संदिग्ध अतीत के बावजूद, वह रूस में एक लोकप्रिय व्यक्ति बन गये। वैगनर सेना ने रूस-यूक्रेन युद्ध में बड़े जोर-शोर से लड़ाई की।

सर्वेक्षणों में, प्रिगोझिन रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से भी अधिक लोकप्रिय निकले। बड़ी संख्या में लोगों का मानना है कि रूस के रक्षा मंत्रालय ने संकट को गलत तरीके से संभाला है। उन्हें रूसी सेनाओं की मौत और हताहतों पर रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं है। इस तरह का अविश्वास पहले नहीं था। लोगों का मानना था कि पुतिन ने रूस को एक नई दिशा दी है। लेकिन अब वह भ्रम टूटता नजर आ रहा है। रूसी नागरिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वे नहीं जानते कि यह युद्ध कब तक चलेगा। उन्हें यह भी नहीं पता कि रूस युद्ध में सफल होगा या नहीं। पश्चिम से रूस का आर्थिक अलगाव कम से कम एक दशक तक बना रहेगा। रूसी कुलीन वर्ग और मध्यम वर्ग चिंतित है कि पश्चिम से आर्थिक अलगाव से उनकी आय, रोजगार, शिक्षा और जीवनशैली प्रभावित होगी।

उन्हें इस बात की भी चिंता है कि अलगाव के कारण रूस को चीन और भारत जैसे देशों के साथ समझौता करना होगा और रियायतें देनी होंगी। यह लोगों के लिए परेशानी वाली स्थिति है। यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के दौरान लोग इन मुद्दों को उठाना नहीं चाहते, लेकिन ये चिंताएं वहां के लोगों में व्यापक रूप से व्याप्त हैं। जब प्रिगोझिन ने युद्ध के मकसद पर सवाल उठाया, तो क्रेमलिन की ओर से कोई ईमानदार जवाब नहीं मिला। युद्ध में मरने वालों और हताहतों की संख्या के बारे में भी लोग निश्चित नहीं हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे गये हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस में यह सबसे बड़ी त्रासदी है। रूस इस तरह की क्षति के लिए तैयार नहीं था। इस विद्रोह का सीधा असर यूक्रेन में चल रहे युद्ध पर पड़ेगा। जब लड़ने वाली ताकतों द्वारा युद्ध के उद्देश्यों पर सवाल उठाया जाता है, तो सैनिकों की प्रतिबद्धता भी सवालों के घेरे में आ जाती है।

यह पूछा जाने लगता है कि सैनिक अपना जीवन क्या शासक वर्ग के उन लोगों के लिए बलिदान कर रहे हैं जो सत्ता में बने रहना चाहते हैं और अपने विशेषाधिकारों की रक्षा के लिए एक-दूसरे से लड़ना चाहते हैं। सैनिक अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित करते हैं, शासक वर्ग के लिए नहीं। इसके अलावा, वैगनर सेनानियों की अनुपस्थिति, सेना में हिंसक तत्व को कुंद कर देगी। भविष्य में होने वाली बातचीत के दौरान रूस कमजोर स्थिति में होगा। पश्चिमी देश पुतिन के शासन के खिलाफ वैगनर बलों का उपयोग करेगा। दूसरी ओर, रूसी सेना में दरार से यूक्रेनी सेना का हौसला बढ़ेगा।

उनके जवाबी हमले को एक नई गति मिलेगी और वे इसे अपने संघर्ष को तेज करने के लिए एक सही अवसर के रूप में उपयोग करेंगे। यूक्रेन का जवाबी हमला सफल नहीं हो रहा था और उसकी वैधता पर सवाल उठने शुरू हो गये थे। लेकिन, अब पश्चिम अधिक हथियारों से यूक्रेन का समर्थन करेगा और इसलिए युद्ध के और खिंचने की संभावना है । यह ध्यान रखना चाहिए कि रूस एक परमाणु राष्ट्र है और वह किसी भी अपमान को हल्के में स्वीकार नहीं करेगा। यह दुनिया के लिए एक खतरनाक स्थिति है।

इस घटनाक्रम का भारत के साथ रूस के संबंधों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभाव पड़ेगा। रूस उस तरह से अस्त्र-शस्त्रों की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं होगा जैसा वह पहले करता था। वह भारत को लगातार रियायती मूल्य पर तेल की आपूर्ति नहीं कर सकता। चीन पर रूस की निर्भरता कई गुना बढ़ जाएगी और यह भारत के लिए अनुकूल स्थिति नहीं है। यह भी संभव है कि पुतिन जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत आने से बचें। यह सब, भारत-रूस संबंधों के लिए अच्छा संकेत नहीं है। ऐसे हालात में, भारत को रूस में स्थिरता लाने में सक्रियता दिखानी चाहिए। पुतिन अभी भी रूस में लोकप्रिय हैं, लेकिन उनकी छवि धूमिल की गयी है। प्रिगोझिन को दरकिनार कर दिया गया है और निकट भविष्य में उनके रूस वापस आने की संभावना नहीं है। लेकिन, एक नई रूढ़िवादी और अनुदार ताकत लोकप्रियता हासिल कर रही है। यह भी डर है कि पुतिन का शासन इन ताकतों को नियंत्रित करने के लिए और अधिक दमनकारी हो सकता है। यह रूसी लोगों और दुनिया के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

बापू की दिनचर्या

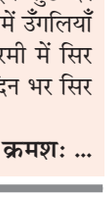

मिट्टी और जल-चिकित्सा (भाग-2)

गतांक से आगे...

सेवाग्राम में भीषण गरमी में खेत की चिकनी, कपड़छन काली या लाल मिट्टी को गीली कर उसकी लगभग एक इंच मोटी पट्टी देर तक वे कनटोप की तरह सिर पर रखा करते। पेट पर ऐसी पट्टी वे बारहों मास रखते। एक बार बापू की ठोड़ी पर मस्सा निकल आया। उस पर भी उन्होंने मिट्टी की पट्टी बाँधी। इसी प्रकार एक बार खाते समय चील झपटी और उनका अंगूठा लहूलुहान हो गया। उस समय भी उन्होंने यही प्रयोग किया। मिट्टी के प्रयोग पर उन्हें अटूट विश्वास था। स्वयं बापू का कहना था कि मनुष्य शरीर का अधिकांश मिट्टी से निर्मित है। इस कारण उस पर मिट्टी का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है, यह कोई नई या अद्भुत बात नहीं। मिट्टी के अनेक प्रयोग, उप-प्रयोग करते हुए वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि मिट्टी अमूल्य वस्तु है। आश्रम में बापू के ऐसे कुछ प्रयोगों को देखकर विदेशी अतिथि आश्चर्यचकित रह जाते। दिसंबर 1935 के अंत में जापान के प्रसिद्ध राजकवि योन नागूची नागपुर से बंबई जाते हुए वर्धा में रुके। बापू उन दिनों अस्वस्थ थे और लेटे हुए थे। उनकी मालिश हो रही थी। जब नागूची महाशय ने खद्दर में लिपटी कोई चीज उनके सिर पर देखी तब पूछा- यह क्या है? बापू बोले- यह गीली मिट्टी है, जो मेरे चिकित्सकों के मतानुसार मुझ सरीखे रक्तचापवालों के लिए लाभदायक है। और, फिर वे कुछ व्यंग्य तथा कुछ दार्शनिकता से युक्त मुस्कान के साथ उनसे बोले- मैं हिंदुस्तान की मिट्टी से उत्पन्न हुआ हूँ और हिंदुस्तान को यही मिट्टी मेरे सिर का ताज है। एक बार जब बापू सिर पर मिट्टी की पट्टी रखे लेटे थे, एक सज्जन उनका फोटो लेने पर उतारू हो गए। उनसे विनोदी स्वर में बापू ने अमेरिकन कहा- मेरे सिर की पट्टी देखकर लोग जब आपसे प्रश्न करेंगे-अरे! गांधी का सिर कैसे फूट गया था? तब आप उन्हें क्या उत्तर देंगे? मिट्टी की भाँति बापू जल-चिकित्सा भी करते। एक बार मोटर के दरवाजे में उनकी दो उँगलियाँ दब गई। कुछ देर के लिए वे बेहोश से हो गए। उस समय उन्होंने तुरंत पानी में उँगलियाँ डुबो दीं और थोड़ी देर में वे काम करने लग गए। वे गरमी में सिर पर ठंडे पानी की पट्टी भी प्रायः रखते। कभी-कभी उन्हें दिन भर सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखनी पड़ती।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

डा.रमन सिंह को सिंहदेव के डिप्टी सीएम बनने से ज्यादा तकलीफ : भूपेश

रायपुर। टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री डा .रमन सिंह के झुनझुना वाले बयान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा तकलीफ रमन सिंह को है, क्योंकि अजीत जोगी के भरोसे तीन बार मुख्यमंत्री बने हैं। उम्मीद कर रहे थे कि ऐसा ही कुछ हो जाएगा। कांग्रेस पहले से एकजुट है। वो तो पहले ही हथियार डाल चुके हैं। तभी तो बार-बार प्रभारी बदल रहे हैं। बार-बार प्रदेश के नेतृत्व को बदल रहे हैं। और भारतीय जनता पार्टी के लोग हताशा में हैं तभी तो महाराज साहब को डिप्टी सीएम बनाए जाने के बाद इंटरनेट मीडिया में उनकी प्रतिक्रिया देखी गई। पिछले कुछ समय जैसे जोगी फैक्टर से हम लोग सत्ता से वंचित हो जाते थे, उनको लगता था कि ऐसा ही कुछ बदलाव होगा। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा, खुद मेहनत करते नहीं और दूसरे के भरोसे सत्ता में आना चाहते हैं। वैसे भी बीते साढ़े चार साल इन्होंने कोई काम नहीं किया है। अब चुनाव में कुछ महीने बचे हैं तो थोड़ी सक्रियता प्रभारियों की दिखाई दे रही है। स्थानीय नेताओं की नहीं।

7 को पीएम मोदी आ सकते हैं रायपुर

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जुलाई को रायपुर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से अधिकृत कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। आने की खबर प्रदेश भाजपा नेताओं को मिली है,प्रधानमंत्री के स्वागत और उनके कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू की जा रही है।खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी कुछ वर्गों के साथ संवाद कार्यक्रम करेंगे, जिसमें वो केंद्र सरकार के 9 साल की उपलब्धियों को दोहराएंगे। विगत दिनों मोदी के आवास में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश जैसे राज्यों को लेकर एक बैठक हुई थी।

अजीत जोगी की भांजी डॉ. आराधना दास ने थामा आम आदमी पार्टी का दामन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव होने में महज चार महीने से शेष बचे हैं। ऐसे में सभी पार्टियां जी जान से चुनावी मैदान में कूद पड़ी हैं। अपनी सदस्यता अभियान भी तेजी से चला रही है। फेमस हस्तियों और अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं को अपनी-अपनी पार्टी में प्रवेश कराने का सिलसिला लगातार जारी है। इस क्रम में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की एक बड़ी हस्ती के परिवार को पार्टी में शामिल कराया। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की भांजी डॉ. आराधना दास ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा। वो आप में शामिल हो गईं। आप के प्रदेश प्रभारी संजीव झा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान जोगी कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश महामंत्री डॉ. विनोद तांडे ने भी आप में प्रवेश किया। वहीं शिवसेना के जिला उपाध्यक्ष द्वारिका जगत भी आप में प्रवेश किए। सभी को प्रदेश प्रभारी ने पार्टी की सदस्यता दिलवाई।

जशोदाबेन पहुंची रायपुर, मीडिया व आम लोगों से बना रखी थीं दूरी

रायपुर। जशोदाबेन अचानक रायपुर पहुंची। यहां साहू समाज के लोगों से मुलाकात व एक सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लीं। गायत्रीनगर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर उन्होने पूजा अर्चना की। इस बीच जानकारी होने पर गुजराती समाय के सदस्य व कुछ भाजपा नेता भी पहुंचे लेकिन मुलाकात के अलावा उन्होने कुछ भी नहीं कहा। गुजरात से कुछ महिलाएं भी उनके साथ आयी हुई थीं। ओड़ीसा से होकर वे रायपुर आई हैं। कुछ दिन पहले वे महाकाल का दर्शन करने के लिए उज्जैन भी पहुंची थीं। पिछले कुछ समय से जशोदाबेन लगातार देश के अलग अलग हिस्सों में जाकर मंदिरों का दर्शन कर रही हैं।

पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम अशोक चतुर्वेदी गिरफ्तार

रायपुर। पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम अशोक चतुर्वेदी को ईओडब्ल्यू- एसीबी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि चतुर्वेदी की गिरफ्तारी आंध्रप्रदेश से देर रात की गई। चतुर्वेदी के खिलाफ भ्रष्टाचार, और आय से अधिक संपत्ति के प्रकरण दर्ज हैं। उन्हें हाईकोर्ट से राहत मिली हुई थी। लेकिन बाद में जमानत खारिज हो गई। इसके बाद से वे फरार चल रहे थे। बताया गया कि ईओडब्ल्यू- एसीबी की टीम लगातार उनके करीबियों से पूछताछ कर रही थी, और फिर एक जानकारी के आधार पर टीम आंध्रप्रदेश पहुंची और वहां गुंटुर जिले से हिरासत में लिया गया। चतुर्वेदी को कल जिला अदालत में पेश किया जा सकता है।वैसे वे पंचायत विभाग के अफसर हैं। लेकिन पाठ्य पुस्तक निगम में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे थे और कई सारे मामलो में उनकी संलिप्तता बताई गई थी। कांग्रेस शासन आने के बाद वे जांच के घेरे में आ गए।

आवास दिलाने राज्य सरकार करेगी केन्द्र से आग्रह : भूपेश

■ **केन्द्र से स्वीकृति नहीं मिलने पर नये हितग्राहियों को आवास दिलाने राज्य सरकार स्वयं के बलबूते बनाएगी योजना**

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के पिछले दस वर्षों में जुड़े नये हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार केन्द्र से आग्रह करेगी, यदि केन्द्र से अनुमति नहीं मिलती है, तो राज्य सरकार अपने बलबूते नये हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाएगी। मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में बेरोजगारी भत्ता की तीसरी किश्त तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों के खाते में राशि के ऑनलाईन अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराना चाहती है। इस उद्देश्य से जहां शासकीय नौकरियों में बड़ी संख्या में भर्तियां की जा रही हैं, वहीं युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षित योजाओं को रोजगार से जोडऩे का काम भी साथ-साथ चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में बेरोजगारी भत्ता योजना के

तहत 1 लाख 16 हजार 737 हितग्राहियों के खाते में तीसरी किश्त के रूप में 31 करोड़ 69 लाख 60 हजार रुपए की राशि तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 49 हजार 157 हितग्राहियों के खाते में 151 करोड़ रूपए की राशि का ऑनलाईन अंतरण किया। बेरोजगारी भत्ता की अप्रैल माह और जून माह की तीन किश्तों को मिलाकर हितग्राहियों के खाते में अब तक 80 करोड़ 64 लाख 25 हजार रूपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। आज अंतरित की गई राशि में अप्रैल माह के शेष 1600 लाभार्थियों को तीन माह तथा मई माह के शेष 6847 लाभार्थियों को दो माह का बेरोजगारी भत्ता जारी किया गया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक श्री रामपुकार सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री प्रसन्ना आर., सचिव कौशल विकास श्रीमती शम्मी आबिदि, संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण श्री अवनीश शरण, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक श्री रजत बंसल भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान प्रतीक स्वरूप बेरोजगारी भत्ता के 25 प्रशिक्षित हितग्राहियों को ऑफर लेटर प्रदान किए। इसी तरह पूरे प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता पाने वाले 738 युवाओं को तथा ऐसे 810 युवा जिन्हें बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है, लेकिन जिन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण मिला है, उन्हें भी जिला स्तर पर ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत प्रदेश में 11 लाख 76 हजार 147 हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिन्हें पूरा करने के लिए राज्यांश की राशि के रूप में 5117 करोड़ रूपए जारी कर दिए गए हैं। राज्य सरकार का यह प्रयास है कि सभी बेघरों को पक्के आवास उपलब्ध हों। उन्होंने बताया कि आज इस योजना के तहत 22 हजार 126 हितग्राहियों को प्रथम किश्त हेतु 55 करोड़ रूपए, 12 हजार 455 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त के रूप में 55 करोड़ रूपए, 7477 हितग्राहियों को तृतीय किश्त के रूप 31 करोड़ रूपए तथा 7099 हितग्राहियों को चतुर्थ किश्त के रूप में 10 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। आवासों की प्रगति के आधार पर आज 49 हजार 157 हितग्राहियों के खाते में कुल 151 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्ष में इस योजना के अंतर्गत 3 लाख 87 हजार 915 आवास स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, लेकिन अभी वर्ष 2023 चल रहा है। 10 साल की अवधि में इस योजना के अनेक नये हितग्राही जुड़े हैं। राज्य के भ्रमण के दौरान अनेक हितग्राही आवास की मांग करते है। नये हितग्राहियों को इस योजना से लाभान्वित करने के लिए हमने 01 अप्रैल से आर्थिक सर्वेक्षण कराया है, जिसका डाटा एनालिसिस का काम चल रहा है। इस सर्वेक्षण के आधार पर राज्य सरकार केन्द्र से इन नये हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने का आग्रह करेगी। यदि ऐसा नहीं होता तो छत्तीसगढ़ सरकार अपने बलबूते पर इन हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सभी वर्गों के लिए योजना बना कर उन्हें लाभान्वित किया गया है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर शुरू की गई बेरोजगारी भत्ता योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक मदद पहुंचाना है और उन्हें रोजगार से जोडना है। ताकि इस राशि की मदद से युवा अपने पैरों पर खड़े हो सके। अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की जानकारी दी। हितग्राहियों को योजना की राशि उनके खाते में सीधे अंतरित की जाती है। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने बेरोजगारी भत्ता योजना की प्रगति की विस्तार से जानकारी दी।

आज नक्सल प्रभावित कांकेर दौरे पर आएंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

रायपुर। शनिवार 1 जुलाई को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। एयरपोर्ट पर कुछ देर रुकने के बाद रक्षा मंत्री सीधे कांकेर जिले के लिए रवाना होंगे। कांकेर पहुंचकर रक्षा मंत्री नक्सल प्रभावित जिले कांकेर में सियासी सभा में शिरकत करेंगे। इस दौरान राजनाथ सिंह सुरक्षा बलों के अफसरों के साथ स्थानीय भाजपा नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ के दौरे का सेड्यूल

तय कार्यक्रम के मुताबिक, रक्षा मंत्री शनिवार दोपहर दिल्ली से विशेष विमान के जरिये दोपहर 1 बजे रायपुर पहुंचेंगे। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से बीएसएफ के हैलीकॉप्टर से रक्षा मंत्री कांकेर रवाना होंगे। कांकेर पहुंचने के बाद वे कांकेर के सर्किट हाउस में कुछ देर आराम करेंगे। दोपहर 2.30 बजे मेला भाटा ग्राउंड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आम सभा को संबोधित करेंगे। जिसके बाद शाम 4.30 रक्षा मंत्री रायपुर पहुंचकर वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बस्तर की 12 सीटों पर भाजपा का फोकस

छत्तीसगढ़ में 15 साल राज करने वाली भाजपा विधानसभा चुनाव 2018 में मात्र 14 सीट पर सिमट कर रह गई थी। वर्तमान में भी भारतीय जनता पार्टी के पास केवल 13 विधायक हैं। 2018 में बस्तर संभाग भाजपा को बुरी तरह के हार का सामना करना पड़ा था। यही वजह है कि बस्तर संभाग पर भाजपा का खास नजर है। भाजपा के बड़े नेता लगातार बस्तर का दौरा कर रहे हैं। जिसके बाद कल राजनाथ सिंह भी केंद्र सरकार की योजनाएं गिनवाकर बस्तर की जनता का ध्यान खीचेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारी पूरी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दौरा को लेकर सुरक्षा बल मुस्तैद है। संवेदनशील जिले कांकेर में रक्षा मंत्री की सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। रक्षा मंत्री के लिए ब्लैक कैट कमांडो की टीम तैनात रहेगी। साथ ही स्थानीय पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्सेज का भी घेरा भी रहेगा। कांकेर जिला प्रशासन के साथ साथ स्थानीय भाजपा नेताओं को पूरे बस्तर संभाग से सभा में लोगों को लाने के काम पर लगाया गया है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भाजपा के तमाम बड़े नेता शामिल होंगे।

डिप्टी सीएम बनने के बाद अंबिकापुर पहुंचे सिंहदेव

■ **कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत**

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अब छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम बना दिये गये हैं। बतौर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव दिल्ली से रायपुर पहुंचे। रायपुर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विधानसभा क्षेत्र पाटन गये। पाटन से निकलकर टीएस सिंहदेव सीधे अपने गृह क्षेत्र सरगुजा पहुंचे हैं। यहां जगह जगह कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। देर रात टीएस सिंहदेव अम्बिकापुर पहुंचे। यहां निर्धारित समय के अनुसार 10 बजे से ही कार्यकर्ता एकत्रित जमा हुए थे।

सरगुजा के कांग्रेसियों का जोश हाई- जिला कांग्रेस कार्यालय अंबिकापुर राजीव भवन में टीएस सिंहदेव पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। फूल मालाओं से कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से नव नियुक्त डिप्टी सीएम का स्वागत कर रहे थे। लम्बे समय बाद सरगुजा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक उत्साह का माहौल देखा गया। सरकार बनने के बाद के कई घटनाक्रम और स्थितियों के कारण बहोत से ऐसे कार्यकर्ता थे जो कार्यक्रमों में नहीं आते थे। आयोजनों में वो उमंग नहीं देखा जाता था। लेकिन आज टीएस सिंहदेव के स्वागत में अलग ही जोश कांग्रेस

कार्यकर्ताओं में दिखा।

हाईकमान का यह निर्णय का दिखा असर- एक बार फिर ऐसा लगता है कि चुनाव से पहले कांग्रेस हाईकमान का यह निर्णय असर कर रहा है। डिस्चार्ज पड़े सरगुजा के कांग्रेसी एक बार फिर पूरे जोश के साथ उठ खड़े हुए हैं। इस दौरान डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

अंबिकापुर जिला प्रशासन से नाराज दिखे डिप्टी सीएम सिंहदेव

डिप्टी सीएम बनने के बाद पहली बार अंबिकापुर पहुंचे टीएस सिंहदेव ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरगुजा जिले के प्रशासन से मैं तो संतुष्ट नहीं हूं। मतलब साफ है कि स्वास्थ्य मंत्री और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव अपने गृह जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की कार्य प्रणाली से खफा हैं। सिंहदेव को कांग्रेस हाईकमान ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। ऐसे में क्या अंबिकापुर में प्रशासनिक फेरबदल किये जाएंगे, यह बड़ा सवाल है।

स्वागत कार्यक्रम में ज्यादातर कार्यकर्ताओं ने सीधे उनसे एक बड़े प्रशासनिक अधिकारी की शिकायत की। मीडिया ने भी सिंहदेव से यह सवाल किया कि प्रशसनिक तंत्र निरंकुश लगता है, आप कितने संतुष्ट हैं, क्या कसावट की जायेगी। इस सवाल का जवाब देते हुए टीएस सिंहदेव ने साफ कहा कि मैं तो संतुष्ट नहीं हूं। प्रशासन को जनोन्मुखी होना चाहिये। वो मेरे लिये या किसी और के लिये काम करने वाला नहीं होना चाहिये। प्रशासन ऐसा हो, जो जनता के लिये काम करे। सलाह मशवरा जरूर लेते रहने चाहिये।

डिप्टी सीएम बनकर आये टी एस सिंहदेव का स्वागत जितनी गर्मजोशी के साथ हुआ उतनी ही अधिक उम्मीद भी कार्यकर्ताओं की उनसे बढ़ गई है। वर्तमान में जिले में चल रही व्यवस्था से नाखुश कार्यकर्ताओं की बात पर खुद डिप्टी सीएम ने नही हामी भर दी है। मतलब साफ है कि पहली फुर्सत के यह बात मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बीच होगी और तब बहुत संभावना है कि जन भावनाओं का ख्याल करते हुये। सरगुजा में प्रशासनिक फेरबदल हो सकते हैं।

जीवन में सिर्फ नौकरी का उद्देश्य लेकर ना चलें बल्कि बड़े व्यवसायी बने : प्रमोद दुबे

■ **अमितेष ने राजनीति में आने का सुझाव देते हुए नशा से दूर रहने दी सलाह**

रायपुर। मैथिल विप्र परिषद छत्तीसगढ़ ने कक्षा 10वीं व 12वीं में उत्तीर्ण हुए 67 मेधावी छात्र-छात्राओं को विप्र सम्मान से सम्मानित किया। प्रथम पंचायत मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक अमितेष शुक्ल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई-लिखाई के साथ ही वे राजनीतिक में कदम रखें लेकिन नशा से दूर रहते हुए। इस दौरान नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि जीवन में सिर्फ नौकरी का उद्देश्य लेकर ना चलें बल्कि बड़े व्यवसायी बनकर साामजिक कार्यों में सक्रिय रहे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में डॉ. पूर्णप्रकाश झा-

प्रांतीय अध्यक्ष मैथिल ब्राह्मण सभा, श्री सुरेश मिश्रा-राष्ट्रीय महामंत्री वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन, श्री सुनील ओझा-प्रबंध संचालक एस.के. केयर हॉस्पिटल, डॉ. सुधीर झा, मुख्य वक्ता-डॉ. अशोक त्रिपाठी-वरिष्ठ चिकित्सक, कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए अमितेष शुक्ल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने पर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें प्रशासन, कंपनी, व्यवसायी आदि के साथ राजनीति में भी आना चाहिए इससे समाज तो गौरान्वित होता है प्रदेश के साथ देश में भी उसका मान बढ़ जाता है। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को सुझाव देते हुए नशा आदि व्यसनों से दूर रहने की सलाह दी। प्रमोद दुबे ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे जीवन में सिर्फ नौकरी का उद्देश्य लेकर ना चलें बल्कि बड़े व्यवसायी करें एवं सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहें। इसके साथ ही अपने स्वास्थ के प्रति सजग रहें। डॉ. पूर्णप्रकाश झा ने भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार रहने की सलाह दिये। सभा को श्री सुरेश मिश्रा, श्री सुनील ओझा, डॉ. अशोक त्रिपाठी ने भी सम्बोधित किया।

छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तनवीर बने सपा के राष्ट्रीय सचिव, प्रदेश में भी मिली अहम जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तनवीर अहमद को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिली है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव देखते हुए उन्हें प्रदेश में भी पार्टी को मजबूत करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसे में वे प्रदेश का लगातार दौरा कर रहे हैं। पार्टी को मजबूती प्रदान करने में लगे हुए हैं।

पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने बताया कि तनवीर छत्तीसगढ़ के सबसे शानदार प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। उनका कार्यकाल बेहतर रहा है। इन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ छत्तीसगढ़ में काम किया है। सपा का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि तनवीर अहमद राष्ट्रीय लेवल की जिम्मेदारी को निभाएं। डॉ. राममनोहर लोहिया, जनेश्वर मिश्र, जयप्रकाश नारायण, मुलायम सिंह यादव के विचारधारा को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाने का काम करें।

सपा के रायपुर जिला अध्यक्ष और प्रदेश के राजनीतिक सलाहकार बृजेश चौरसिया ने बताया कि

छत्तीसगढ़ सपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तनवीर अहमद को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें अहम जिम्मेदारी मिलने से प्रदेश के पार्टी कार्यकताओं में भारी उत्साह और हर्ष है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें अहम जिम्मेदारी भी दी गई है। सपा ब्लॉक, जिला स्तर और प्रदेश स्तर पर तेजी से पार्टी का विस्तार कर रही है। हम विधानसभा चुनाव में सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और प्रदेश में सपा की सरकार बनाएंगे।

राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में प्रदेश के सभी जिले शामिल

प्रधानमंत्री आज करेंगे मिशन का शुभारंभ, स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ेंगे

रायपुर। देश में आनुवांशिक बीमारी सिकलसेल को दूर करने भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरूआत की जा रही है। वर्ष 2047 तक सिकलसेल को खत्म करने करने देश के 17 राज्यों के 278 जिलों में यह मिशन संचालित किया जाएगा। इस मिशन में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को शामिल किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 जुलाई को मध्यप्रदेश के शहडोल में राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव रायपुर के राजा तालाब स्थित हमर अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। वे स्थानीय लाभार्थियों को सिकलसेल जेनेटिक

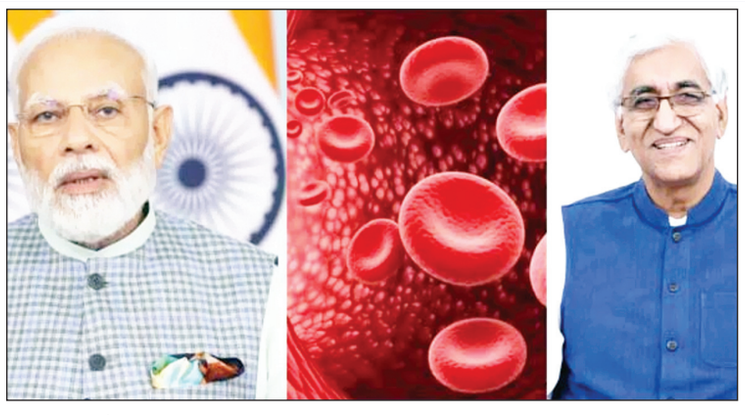

स्टेटस कार्ड भी वितरित करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक डॉ. खेमराज सोनवानी ने बताया कि सिकलसेल के उन्मूलन के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन प्रारंभ किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सिकलसेल रोग से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना है। यह मिशन वर्ष 2047 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में सिकलसेल को खत्म करने के सरकार के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसे 17 राज्यों के 278 जिलों में लागू किया जा रहा है। डॉ. सोनवानी ने बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, असम, उत्तरप्रदेश, केरल, बिहार और उत्तराखंड को राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन में शामिल किया गया है। मिशन के अंतर्गत विकासखंडवार लोगों को सिकलसेल के कारण और बचाव के उपाय बताए जाएंगे। साथ ही जरूरी जांच और इलाज भी मुहैया कराया जाएगा।

वार्डों के लिए हुए उपचुनाव में कांग्रेस की एकतरफा जीत

रायपुर। कुछ शहरों के कुछ वार्डो में हुए उपचुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को एकतरफा जीत मिली है। रायपुर के खरोरा नगर पंचायत उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। यहां वार्ड नंबर 13 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव हुआ था। जहां से कांग्रेस प्रत्याशी नीलम अग्रवाल ने भाजपा प्रत्याशी समिश अग्रवाल को 97 वोटों से हरा दिया है।इससे पहले इस वार्ड में 3 बार से भाजपा जीत करती रही थी। इस वजह से इसे भाजपा का अभेद किला कहा जाता था। मगर इस बार यहां से कांग्रेस ने बाजी मार ली है। इस उपचुनाव में कुल 234 मत पड़े थे। जिसमें से भाजपा को 65, कांग्रेस को 162 मित मिले। बाकी के वोट अन्य और नोटा को पड़े। उपचुनाव के लिए मंगलवार को वोटिंग हुई थी। दुर्ग नगर निगम के वार्ड 42 कसारीडीह में पार्षद पद के लिए हुए उप चुनाव में कांग्रेस की प्रीति गीते ने भारी मतों से जीत दर्ज की। इस चुनाव में प्रीति गीते को 1391 मत मिले। वहीं भाजपा की प्रत्याशी कांता साहू को मात्र 744 मतों से ही संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में भाजपा के दुर्ग जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन इसके बाद भी उनके प्रत्याशी की जीत नहीं मिल पाई।

मेरा झुकना और तेरा खुदा हो जाना.....

पटना में 14 विपक्षी दलों की एक बैठक से भाजपा चिंतित है,कहा जा रहा है कि वह फोटो सेशन था ....? वैसे इस बैठक में कॉंग्रेस ही सबसे बड़ी तथा पुरानी पार्टी है। कम से कम पूरे देश में उसकी पहचान तो है ही... अब यह विचार करना जरुरी है कि गठबंधन से कांग्रेस को क्या फायदा होगा....?

तमिलनाडु,बिहार, महाराष्ट्र की लोक सभा की 100 सीटों में कांग्रेस का पहले से ही गठबंधन है। राजस्थान छत्तीसगढ़ , मप्र, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, असम, पंजाब और गोवा में उसे किसी की जरूरत नही है। लड़े,जीते या हारे.. उसका अपना दम है। 200सीटें यहां हो गयी।केरल, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में भाजपा का कोई नामलेवा नही....तो वहां भाजपा को हराने के लिए किसी से गठबंधन करने की जरुरत ही नहीं है।जहां तक दिल्ली,उड़ीसा,उत्तर प्रदेश,कश्मीर और पश्चिम बंगाल का सवाल है तो यहां सामने वाली पार्टी कुछ दे,तो ठीक,न दे तो भी ठीक...कांग्रेस मुक्त भारत का नारा तो फेल हो ही गया,मगर क्षेत्रीय दल मुक्त भारत,एक हद तक संभावनाशील है।यह बात और है कि पहले कांग्रेस के विरुद्ध सभी विपक्षी दल होते थे पर आजकल भाजपा के विरुद्ध सभी दल हो गये हैं।

आपातकाल, इंदिरा और नरेंद्र मोदी की प्रशंसा...

25 जून1975 यानि 48 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी यानि आपातकाल देश पर थोपा था। कांग्रेस पार्टी के तब के अध्यक्ष देवकांत बरूआ ने इंदिराजी का यशोगान करते हुए एक नारे का इजाद किया था...इंडिया इज इंदिरा... इंदिरा इज इंडिया... पूरे आपातकाल में यह नारा गूंजता रहा और लगभग हर कांग्रेसियों की जबान पर यह नारा था।तब विपक्ष के नेता तथा बाद में प्रधानमंत्री बने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने एक कविता लिखकर कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरूआ को चमचों का सरताज कहा था। आपातकाल की सालगिरह आती है तब बरूआ का नारा और अटलजी की कविता की भी चर्चा होती है। दरअसल 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरागांधी के रायबरेली के 1971 के चुनाव में अनियमितता का दोषी ठहराकर उनकी संसद सदस्यता रद्द कर आगामी 6 साल के लिए चुनाव लडने पर रोक लगा दी थी उसके बाद इंदिराजी ने आपातकाल की देश में घोषणा कर दी थी। बहरहाल उसी समय देवकांत बरूआ के इंदिरा इज इंडिया के नारे के बाद अटलजी ने कविता लिखी थी...

इंदिरा इंडिया एक है
इति बरूआ महराज
अक्ल घास चरने गई
चमचों के सरताज!
चमचों के सरताज,
किया भारत अपमानित
एक मृत्यु के लिए कलंकित
भूत भविष्यत!
कह कैदी कविराय,
स्वर्ग से जो महान है,
कौन भला उस भारत
माता के समान है?

खैर आपातकाल के बाद कांग्रेस की जो देश में हालत हुई वह किसी से छिपी नहीं रही... पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार केंद्र में बनी थी उपरोक्त संदर्भ का उल्लेख इसलिए करना पड़ा क्योंकि वर्तमान में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तो देवकांत बरूआ से सैकड़ों कदम आगे बढ़कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को %देवता%ही ठहरा दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भाषा से खिलवाड़ करते हुए घोषित कर दिया था कि मोदी सुरेन्द्र है। राहुल ने समपर्ण मोदी को मजाकिया ढंग से सुरेन्द्रर (सरेंडर) लिख दिया था जगतपाल नड्डा ने इसे सुरेन्दर बना दिया सुरेन्द्र का दूसरा नाम इंद्र है और वे देवताओं के राजा होते हैं। नड्डाजी की मंशा के अनुसार नरेन्द्र मोदी इंसानों के ही नहीं देवताओं या भगवानों के भी नेता है। वहीं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तो मोदी को भगवान का वरदान ही ठहरा दिया है। बहरहाल स्वामीभक्ति,चाटुकारिता, व्यक्ति पूजा की यह तो पराकाष्ठा ही मानी जा सकती है... । खैर अब अटलजी जैसे कवि,नेता रहे नहीं, नहीं तो एक नई कविता का जन्म हो जाता? वैसे नड्डाजी की ही बात नहीं इसके पहले भी कुछ नेता मोदी को %अवतार घोषित कर चुके हैं।

सिंहदेव बने डिप्टी सीएम कंवर पहले रह चुके हैं....

आखिर बाबा को छग का डिप्टी सीएम बना ही

दिया गया (वैसे भारत के संविधान में उप प्रधानमंत्री या उप मुख्य मंत्री पद का उल्लेख ही नहीं है)अविभाजित मप्र में छग के प्यारेलाल कंवर (कोरबा) भी डिप्टी सीएम रह चुके हैं। 7दिसम्बर 1993 से 29मई 1998 तक प्यारेलाल कंवर, दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में डिप्टी सीएम रहे थे।उनके साथ सुभाष यादव भी डिप्टी सीएम थे।बाबा छग राज्य बनने के बाद पहले और छग निवासी के रूप में दूसरे डिप्टी सीएम होंगे।वैसे सिंहदेव को कांग्रेस आलाकमान ने डिप्टी सीएम बनाकर एक तरह से भूपेश बघेल से उनके मतभेद भी दूर करने का एक प्रयास किया है इसी के साथ अब बाबा के किसी अन्य दल में जाने या नया दल बनाने कीअटकलों पर भी विराम लग गया है।प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2018 में हुए विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस ने विधानसभा की 90 में से 68 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं 15 साल तक सत्ता में काबिज रही भाजपा 15 सीटों पर ही सिमट गई थी। जीत के बाद कांग्रेस ने भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया था। सीएम बघेल के कुर्सी पर काबिज होते ही कई बार भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच अनबन की खबरें आती रहीं। ऐसे में चुनाव से पहले टीएस सिंह देव को डिप्टी सीएम बनाकर कांग्रेस ने बड़ा दांव चल दिया है।सिंहदेव ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत भले ही नगर पालिका अध्यक्ष पद से की हो, लेकिन सरगुजा राजपरिवार से होने के नाते उनकी राजनैतिक हैसियत इससे कहीं अधिक रही। टीएस सिंहदेव के पिता एमएस सिंहदेव मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव और बाद में योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे। उनकी मां देवेंद्र कुमारी सिंहदेव मध्यप्रदेश में दो बार मंत्री रहीं। तब कहा जाता था कि सरगुजा के लिए मुख्यमंत्री राजपरिवार ही है।

आईपीएस संजय पिल्ले, आईएएस अमृत खलखो होंगे रिटायर..

छग में पुलिस और प्रशासन में एक बड़ा फेरबदल होना तय माना जा रहा है। पुलिस में अपनी लम्बी पारी खेलकर 31जुलाई को छग के सबसे वरिष्ठ आईपीएस संजय पिल्ले रिटायर हो रहे हैं,वे जेल डीजी के पद पर हैं जाहिर है कि इस पद पर किसी वरिष्ठ आईपीएस की नियुक्ति की जाएगी,वैसे संजय पिल्ले को छग सरकार कहीं समायोजित भी कर सकती है।इधर ईडी जाँच के चलते अफसरों , नेताओं की जेल में आवाजाही भी चल रही है तो जेल में किसी खासअफसर की नियुक्ति की जाएगी ऐसी चर्चा है। इधर राजभवन के सचिव तथा श्रम विभाग के आयुक्त अमृत खलको का भी 31 जुलाई को रिटायरमेंट है तो दोनों पद पर नई नियुक्ति तय है। पिछली बार सचिव को हटाने पर पूर्व राज्यपाल नाराज हो गईं थी।वैसे चर्चा है कि खलखो को एक साल की संविदा नियुक्ति मिल सकती है,वैसे भी आईएएस डॉ आलोक शुक्ला, डीडी सिंह आदि को संविदा नियुक्ति मिलती रही है।वैसे अमृत खलखो की सेवानिवृति के बाद सक्रिय राजनीति में भी उतरने की भी चर्चा है...?

और अब बस

- भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की छग में सक्रियता के पीछे आगामी चुनाव ही हैं...
- सर्व आदिवासी समाज आरक्षित 29 सीटों के अलावा 20अन्य सीटों पर भी चुनाव लड़ेगा...?
- छग में विस चुनाव भूपेश बघेल विरुद्ध नरेंद्र मोदी होना तय माना जा रहा है?

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा हमेशा आदिवासियों का अपमान करती है: मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांकेर सांसद मोहन मंडावी की तस्वीर को राजनाथ सिंह की आम सभा के लिए जारी पोस्टर में नहीं लगाना आदिवासियों का अपमान है। भाजपा के द्वारा इस प्रकार से पोस्टर जारी कर आदिवासियों को अपमानित किया गया है। भाजपा हमेशा आदिवासियों का अपमान करती है, आदिवासी वर्ग को नीचा दिखाने का षड्यंत्र करती है और हमेशा आदिवासी वर्ग को अपमानित करने का अवसर ढूंढते रहती है। विश्व आदिवासी दिवस के दिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय को हटाकर आदिवासियों का अपमान किया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने जेपी नड्डा से पूछा कि कांकेर में होने वाली राजनाथ सिंह की आम सभा के लिए जारी पोस्टर में कांकेर सांसद मोहन मंडावी की तस्वीर क्यों नही लगाया गया? क्या सांसद मोहन मंडावी की तस्वीर नहीं लगाने का निर्देश मोदी-शाह के द्वारा दिया गया? राजनाथ सिंह के आम सभा के पोस्टर में प्रदेश के बाहर से आए ओम माथुर, नितिन नवीन की तस्वीर लगाई गई, 15 साल तक आदिवासियों का शोषण करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की तस्वीर लगाई गई हैं लेकिन कांकेर का प्रतिनिधित्व करने वाले आदिवासी सांसद मोहन मंडावी की फोटो गायब कर दी गई। भाजपा में आदिवासियों का मान सम्मान नहीं है।

साम्प्रदायिक तुष्टीकरण के एजेंडे पर काम कर रही : शर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति छत्तीसगढ़ को सांप्रदायिक विद्वेष में झोंकने का काम कर रही है और लव जिहाद के लगातार सामने आ रहे मामलों पर चुप्पी साधे बैठी है। श्री शर्मा ने कहा कि धर्मांतरण के तमाम दावों को झुठलाने वाली प्रदेश सरकार बिलासपुर में लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए दबाव के सामने आए ताजा मामले से एक बार फिर बेनकाब हो गई है।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लव जिहाद बढ़ते मामले यहां के साम्प्रदायिक और सामाजिक सद्भाव को खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। बिलासपुर में एक युवती को प्रेमजाल में फंसा कर एक मुस्लिम युवक आकिब खान द्वारा दुष्कर्म करने, गर्भवती होने पर उसका जबरिया दो बार गर्भपात कराने, शादी के लिए युवती पर धर्म परिवर्तन कराने का दबाव बनाने व उससे मारपीट करने का मामला सरकार के साम्प्रदायिक तुष्टीकरण की एक भयावह त्रासदी है। श्री शर्मा ने कहा कि इससे भी अधिक शर्मनाक तो यह है कि प्रदेश सरकार की पुलिस ने युवती की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और मारपीट की साधारण धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया। बाद में आला पुलिस अधिकारी के निर्देश पर दुष्कर्म की धारा जोड़ी गई। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस जबसे सत्ता पर काबिज हुई है, प्रदेश चहुँओर महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के राज का मोहताज हो गया है।

प्रशिक्षण सदैव एक तराशने की प्रक्रिया होती है: आईजी

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक गुप्तवार्ता श्री अजय यादव के मुख्य आतिथ्य में आज पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय माना के परेड ग्राउंड में 469 पुरूष, महिला एवं तृतीय लिंग नवआरक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण दीक्षांत परेड कार्यक्रम संपन्न हुआ। महिला एवं तृतीय लिंग के 29 वें सत्र दीक्षांत समारोह में 308 महिला एवं 12 तृतीय लिंग नवआरक्षक तथा पुरुष नवआरक्षकों के 42 वें सत्र दीक्षांत समारोह में 149 नव आरक्षक सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि अजय यादव (भापुसे) पुलिस महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता, छत्तीसगढ़ ने अपने संबोधन में दीक्षांत परेड समारोह में शामिल नवआरक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण सदैव एक तराशने की प्रक्रिया होती है । इस अवसर पर उन्होंने अपने पासिंग आउट परेड का भी स्परण किया। श्री यादव ने कहा कि अपराध एवं अपराधियों की आपराधिक कार्यप्रणाली में भी परिवर्तन हो रहा है, आपको ऐसी कार्यप्रणाली के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। मार्डन गजेट्स व अन्य संसाधन जहां अपराध की कार्यप्रणाली को बढ़ाते हैं वहीं यदि हम इनकी उपयोगिता को समझे तो अधिक कारगर ढंग से अपराध को नियंत्रित कर सकते हैं।पीटीएस माना के संस्था प्रमुख डॉ. इरफान-उल रहीम खान ने बताया कि इस संस्था को बीपीआरएण्डडी नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2021-2022 में केन्द्रीय गृहमंत्री ट्राफी से सम्मानित किया गया एवं 02 लाख रूपये नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने फिर झूठ परोसा: शुक्ला

रायपुर। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ की धरती पर आकर राज्य की जनता के सामने झूठ परोसने का काम किया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नड्डा देश की सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। उनके दल की देश में 9 सालों से सरकार है। नड्डा ऐसा भाषण दे रहे थे जैसे वे विपक्षी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। नड्डा देश के ज्वलंत समस्याओं पर मौन थे भाजपा और नड्डा सोच रहे है झूठ बोलकर देश की जनता को फिर से ठग लेगें। लेकिन देश की जनता भाजपा के छत्तीसगढ़ में 15 साल के कुशासन और मोदी के 9 साल के वायदाखिलाफी का हिसाब देना होगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार के चुनावी वायदों पर जे.पी नड्डा क्यों चुप रहे? मोदी सरकार को 9 साल पूरे होने को है जनता अभी तक अच्छे दिन के सपने देखते-देखते थक गयी। 2014 लोकसभा चुनाव में मोदी ने प्रदेश में आकर जनता से वादा किया था कि केंद्र में उनकी सरकार बनेगी तो सभी के खाते में 15-15 लाख रुपए आएंगे। बीते 8 साल से प्रदेश की जनता 15 लाख रुपए खाते में आने का इंतजार कर रही है। किस तारीख को पैसा जनता के खाते में ट्रांसफर होगा? दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा था 9 साल में प्रदेश के 43 लाख युवाओं को रोजगार मिलना था जो अब तक केंद्र सरकार ने नहीं दिया है। वह रोजगार प्रदेश के युवाओं को कब मिलेगा तारीख बताने की कृपा करें।

बेरोजगारी भत्ता योजना

हितग्राहियों के खाते में अंतरित हुए 31.69 करोड़

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के पिछले दस वर्षों में जुड़े नये हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार केन्द्र से आग्रह करेगी, यदि केन्द्र से अनुमति नहीं मिलती है, तो राज्य सरकार अपने बलबूते नये हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाएगी। मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में बेरोजगारी भत्ता की तीसरी किश्त तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों के खाते में राशि के ऑनलाईन अंतरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराना चाहती है। इस उद्देश्य से जहां शासकीय नौकरियों में बड़ी संख्या में भर्तियां की जा रही हैं, वहीं युवाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत 1 लाख 16 हजार 737 हितग्राहियों के खाते में तीसरी किश्त के रूप में 31 करोड़ 69 लाख 60 हजार की राशि तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 49 हजार 157 हितग्राहियों के खाते में 151 करोड़ रूपए की राशि का ऑनलाईन अंतरण किया।

मोदी के नेतृत्व को दुनिया कर रही सलाम: साव

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने बिलासपुर में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अरपा नदी के तट पर मां बिलासा के आंचल में उपस्थित स्थान में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में, विश्व की सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी का स्वागत कर हम अभिभूत हैं। श्रीमान नड्डा जी के लिए छत्तीसगढ़ एकदम अपने घर जैसा है। छत्तीसगढ़ संगठन के प्रभारी रहने के दौरान प्रदेश के कस्बे-टोलों तक माननीय नड्डा जी का प्रवास हुआ है। यहां अधिकांश कार्यकर्ताओं को हमारे माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी उनके नाम से जानते हैं। सभी के साथ उनके जीवंत और पारिवारिक जैसे संपर्क- संबंध हैं, यह हम सबके लिए सम्मान का विषय है। माननीय नड्डा जी के कुशल नेतृत्व में भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है।

भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने हम सब तैयार-रमन

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए हम सब तैयार हैं। भाजपा ने सबका साथ सबका विकास सबका कल्याण की योजनाओं के साथ देश में जो परिवर्तन लाया है, भाजपा की सरकार देश में सड़कों का जाल बिछा रही है। लोगों को राशन की व्यवस्था की। दूसरी ओर भूपेश बघेल की सरकार सिर्फ घोटाले कर रही है। भूपेश बघेल की सरकार ने छत्तीसगढ़ को लूटा है। कोयला घोटाला, कोल घोटाला, शराब घोटाला, अनाज घोटाला किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है और अगले साल लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की सभी सीटें जीतकर प्रधानमंत्री मोदी जी को देना है।

अब आया है वक्त बदलाव का : चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 5 साल पहले कांग्रेस ने नारा दिया था वक्त है बदलाव का। दरअसल अब बदलाव का वक्त आ गया है। भ्रष्ट भूपेश सरकार को बदलने का समय आ गया है। भूपेश बघेल की सरकार ने छत्तीसगढ़ में घोटाले किए हैं। जनता से किए गए एक वादे को नहीं निभाया। उन्होंने जनता को धोखा दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता छत्तीसगढ़ को धोखा देने वाले भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने तैयार है।

दो हजार करोड़ का शराब घोटाला : सरोज

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति के साथ धोखा किया है। उन्होंने चुनाव घोषणापत्र में वादा किया था कि छत्तीसगढ़ में शराब बंदी लागू की जाएगी लेकिन शराबबंदी करने की जगह 2000 करोड़ का घोटाला करवा दिया। भूपेश बघेल ने कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए जो घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ की जनता और छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सामने रखा था, उसके कोई वादे पूरे नहीं किए गए। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के साथ धोखा किया है। खास तौर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ की महिलाओं के विश्वास को छला है। महिलाओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। ऐसे लोगों को हम फिर से सत्ता में नहीं आने देंगे। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाएंगे।

भूपेश सरकार खा रही गरीबों का अनाज : अमर

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के गरीबों को अनाज दे रहे हैं और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार गरीबों का अनाज खा रही है। मोदी जी देश के गरीबों को पक्का मकान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार गरीबों का मकान छीन रही है। मोदी जी देश का विकास कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ को दिवालिया बना रही है।

सभा को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने भी संबोधित किया।मंच पर भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, गौरीशंकर अग्रवाल, राज्यसभा सांसद सरोज पांडे, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, ननकीराम कंवर, शिवरतन शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कार्यक्रम संचालन तथा आभार प्रदर्शन पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने किया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर अरूण साव, भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह, केंद्र सरकार में मंत्री रेणुका सिंह,नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक,सांसद गोमती साय, सरोज पांडे ,पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल,विधायक पुन्नुलाल मोहले, ननकीराम कंवर, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सव्वनी, विधायक सौरभ सिंह, बिलासपुर संभाग प्रभारी किरण देव सह प्रभारी अनुराग सिंह देव, विधायक कृष्णा मूर्ति बांधी, रजनीश सिंह, ओपी चौधरी, लखन देवांगन,निर्मल सिन्हा, रवि भगत,लखलाल साहू मोतीलाल साहू, इंद्रजीत सिंह, हर्षिता पांडे, रामदेव कुमावत, शैलेश पाठक, कन्हैया राठौर माजूद रहे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पहुंचे बिलासपुर संभाग की बूथ कमेटियों में

रायपुर। कांग्रेस के बूथ चलो अभियान कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नेता गण बिलासपुर संभाग के विभिन्न बूथों में जाकर बूथ कमेटियों की बैठक लिया। बैठक में बूथ पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि अपने बूथ में कांग्रेस के प्रत्याशी को बहुमत दिलाकर राज्य में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनाना है। विकास और गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की जो अभियान 2018 से शुरू हुआ है वह आने वाले वर्षों में अनवरत चलता रहे इसलिये प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाना है।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा कोटा विधानसभा के बूथों में, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बिलासपुर के बूथों में कार्यकर्ताओं की बैठक लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने बिल्हा के बूथों में बैठक लिया। उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक लिया।

नशे के सौदागरों के लिए छत्तीसगढ़ सुरक्षित शरणस्थली बना: रंजना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता और विधायक रंजना साहू ने कहा कि शराबबंदी के अपने वादे से मुकरने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पूर्ण नशाबंदी के सियासी जुमले का काला सच यह है कि छत्तीसगढ़ शराब, ड्रग्स और नशीले पदार्थों की खपत का अड्डा बना दिया गया है और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त ड्रग्स माफियाओं और नशे के सौदागरों के लिए छत्तीसगढ़ सुरक्षित शरणस्थली बन गया है। श्रीमती साहू ने कहा कि शराब के साथ-साथ सूखे नशे की लत से छत्तीसगढ़ के किशोरों से लेकर युवाओं का पूरा जीवन दाँव पर लगा हुआ है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक श्रीमती साहू ने नशे के पूरे गोरखधंधे पर सामने आई एक ताजा रिपोर्ट को चिंताजनक बताते कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री बघेल नशाबंदी का कोरा जुबानी जमा-खर्च करने में लगे हैं जबकि उनकी सरकार की नाक के नीचे राजधानी के बड़े होटल, रेस्टोरेंट, पब्स से लेकर गली-गली में पान ठेले तक से खतरनाक नशीले पदार्थ सहज सुलभ हो रहे हैं। श्रीमती साहू ने कहा कि अकेले राजधानी में 80 से ज्यादा जगहों पर गांजा, 50 से ज्यादा स्थानों पर नशीली दवा और ड्रग्स खुलेआम मिल रहे हैं। ऐसे हालात जब राजधानी के हैं तो प्रदेश के दीगर इलाकों की भयावह स्थिति की कल्पना की जा सकती है। श्रीमती साहू ने कहा कि नशीले पदार्थों व शराब की अवैध तस्करी बेखौफ जारी है और प्रदेश सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। इससे यह आशंका घनीभूत हो चली है कि प्रदेश सरकार के संरक्षण में हुए तमाम घोटालों की कड़ी में क्या अब ड्रग्स घोटाला भी चल रहा है? छत्तीसगढ़ में गोवा से ड्रग्स, ओड़िशा से गांजा और पंजाब से अफीम लाकर यहां खपाई जा रही है। पंजाब-हरियाणा से छत्तीसगढ़ में कोरिया, सरगुजा, कोरबा, बलौदाबाजार से राजधानी में अफीम पहुंचाई जा रही है जबकि ओड़िशा से गांजा गरियाबंद व महासमुंद के रास्ते राजधानी पहुंच रहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.